राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 28 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-68 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरब सागर में दिखाई दी भारत की समुद्री ताकत, नौसेना ने ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने अपनी युद्ध तैयारी का दमदार प्रदर्शन करते हुए अरब सागर में कई सफल एंटी-शिप फायरिंग की। नौसेना ने अत्याधुनिक ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया, जिसकी रेंज करीब 300 किलोमीटर है। इस परीक्षण के साथ ही भारतीय नौसेना ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी समय, कहीं भी, किसी भी प्रकार से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय और भविष्य के लिए सक्षम है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने अपनी सैन्य तैयारियों को और तेज कर दिया है। हमले के 48 घंटे के भीतर भारतीय नौसेना ने अपने विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस सूरत से सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान आईएनएस सूरत ने समुद्र में एक लक्ष्य को सटीकता से भेदा।

इसके अलावा, हाल ही में डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने स्वदेशी वर्टिकल-लॉन्च्ड शॉर्ट-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का भी सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण 26 मार्च को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया था, जिसमें मिसाइल ने कम ऊंचाई पर उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य को सटीकता से नष्ट किया।

गौरव का भी सफल परीक्षण

भारतीय रक्षा क्षमता को और मजबूती देते हुए, इसी महीने भारत ने लड़ाकू विमान से दागे जाने वाले लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का भी सफल परीक्षण किया है। 8 से 10 अप्रैल के बीच सुखोई-30 एमकेआई विमान से किए गए ट्रायल्स के दौरान गौरव बम ने लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों पर अत्यधिक सटीक निशाना साधा। इस परियोजना में अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज ने भी भागीदारी निभाई।

इन परीक्षणों के जरिए भारत ने न केवल अपने आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है, बल्कि मौजूदा हालात में अपने दुश्मनों को भी स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना – सभी मोर्चों पर पूरी तरह तैयार हैं।

पहला कॉलम

पहलगाम हमले बाद सैंकड़ों भारतीयों की पाकिस्तान से वापसी, सिख परिवारों को नहीं मिली एंट्री ! दी ये सलाह

(एजेंसी)

पाकिस्तान में फंसे 450 से अधिक भारतीय नागरिक बीते तीन दिनों में वाघा सीमा के रास्ते स्वदेश लौट चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्पन्न स्थिति और वीजा रद्द होने के कारण भारतीयों को अपने देश लौटना पड़ा। शनिवार को लौटने वालों में 23 भारतीय भी शामिल थे, जो पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2025 के प्रसारण से जुड़े थे। शनिवार को सीमा पार करने वाले भारतीयों की कुल संख्या की पुष्टि बाद में होगी। पिछले तीन दिनों में बृहस्पतिवार को लगभग 100 भारतीय स्वदेश लौटे। शुक्रवार करीब 300 भारतीयों ने वाघा सीमा पार की। और शनिवार 23 से अधिक भारतीय लौटे।अंतिम आंकड़े प्रतीक्षित हैं। इसी दौरान 200 पाकिस्तानी नागरिक भी भारत से पाकिस्तान वापस लौट चुके हैं।गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में शुक्रवार दोपहर आतंकवादियों की गोलीबारी में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। केंद्र सरकार ने इस हमले के तार सीमा पार से जुड़े पाए जाने के बाद कड़े कदम उठाए हैं पाकिस्तानी सैन्य सलाहकार (अताशे) को निष्कासित किया गया, सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया गया और अटारी-वाघा सीमा चौकी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया।अधिकारियों ने बताया कि सिख परिवारों समेत भारतीय मूल के कुछ विदेशी नागरिकों को वाघा सीमा से भारत में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई। लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब में रहने वाले भारतीय मूल के कनाडाई सिख परिवार को भी सीमा पार करने से रोक दिया गया और उन्हें दुबई के रास्ते हवाई यात्रा करने की सलाह दी गई। बृहस्पतिवार को 105 भारतीय और 28 पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने-अपने देशों की ओर रुख किया था।

यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद ने की पीएम मोदी से बात, पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में की निंदा

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को वैश्विक समर्थन मिलना जारी है। इसी क्रम में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और आतंकी हमले में मारे गए निर्दोषों की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को हुए इस हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष लोग मारे गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक स्वर में कहा, आतंकवाद का कोई भी रूप बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यूएई के राष्ट्रपति ने इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और भारत के प्रति अपनी अटूट एकजुटता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस समर्थन के लिए शेख मोहम्मद का दिल से आभार जताते हुए कहा, गुनहगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। भारत का संकल्प अटल है। यह बातचीत भारत और यूएई के बीच मजबूत हो रहे रणनीतिक और कूटनीतिक संबंधों का भी प्रतीक है, जो वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई में नई मजबूती प्रदान कर रही है।

पीएम मोदी ने देश को फिर दिलाया आतंक के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा

पहलगाम के पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा...

नई दिल्ली।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने मुझे भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

भारत के साथ खड़ा है पूरा विश्व

पीएम ने ये भी कहा कि पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक वाइब्रन्सी थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे।

पहलगाम हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीडीएस चौहान के बीच अहम बैठक

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का संकेत दिया है। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं और एनआईए इस हमले की गहन जांच में जुटी है। रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक अहम बैठक की। इस बैठक में आतंकवादियों के खात्मे और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार रक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक के बाद सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस, और सेना ने मिलकर संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है, और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी भी गृह मंत्रालय पहुंचे और सीमा सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों पर चर्चा की। इसके अलावा, एनआईए की एक विशेष टीम भी पहलगाम पहुंची है, जो आतंकी हमले की साजिश और आतंकी नेटवर्क की गहरी पड़ताल कर रही है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े टीआरएफ ने ली है, और पाकिस्तान से संदिग्ध कनेक्शन के मद्देनजर भारत सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन, अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं पर रोक, और भारत में पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश शामिल हैं। भारत की सुरक्षा स्थिति में यह रणनीतिक कदम पाकिस्तान के आतंकवाद को समर्थन देने वाली नीति के खिलाफ सख्त संदेश देते प्रतीत हो रहे हैं।

किश्तवाड़ में सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक

नौसेना ने किया कई एंटी शिप मिसाइलों का परीक्षण

श्रीनगर।

पहलगाम में हुए आंतकी हमले के बाद घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं किश्तवाड़ में जिला प्रशासन ने सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी है।

इस बीच सुरक्षाबलों ने घाटी में बीते तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिया हैं।

उधर, नौसेना ने अरब सागर में कई एंटी शिप फायरिंग ड्रिल की। खास बात यह है कि इस दौरान दागीं गई मिसाइलों से सटीक निशाना लगाया गया है। नौसेना ने कहा कि हम देश की समुद्री सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। वहीं, पाकिस्तान ने लगातार तीसरे दिन शनिवार रात एलओसी पर फायरिंग की।

जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में जिला प्रशासन ने सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी है। यह कदम इलाके की सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है। प्रशासन ने आदेश दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति सेना की वर्दी नहीं बेच सकेगा, सील नहीं सकेगा और न ही सेना की वर्दी स्टाक करके रख सकेगा। यह नियम शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर नजर रखेंगी। वहीं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आतंकियों और आम लोगों में अंतर है। मोदी सरकार को इन दोनों में सावधानी बरतनी चाहिए। जो लोग आतंक का विरोध कर रहे हैं, उन्हें निशाना नहीं बनाना चाहिए। ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं कि हजारों लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। आतंकियों के साथ आम लोगों के घरों को भी गिराया गया है। मेरी सरकार से अपील है कि आम लोगों को लेकर सावधानी बरतें।

दशाश्वमेध घाट पर लोगों ने आतंकवाद के जड़मूल से विनाश के लिए एकजुटता दिखाई

वाराणसी । नमामि गंगे गंगा विचार मंच महानगर इकाई की ओर से दशाश्वमेध घाट पर स्वच्छता अभियान शुरु हुआ। टीम के सदस्यों ने गंगा निर्मलता के उद्देश्य से जनजागरण अभियान चलाया। अभियान के तहत दर्जनों सदस्यों ने गंगा की तलहटी में उतरकर भारी मात्रा में कपड़े, पॉलीथिन, माला-फूल आदि बाहर निकाला। इसी क्रम में पहलगाम घटना से मर्माहत लोगों ने गंगातट पर रोष प्रकट किया। दशाश्वमेध घाट पर स्नान के दौरान लोगों ने गंगा में खड़े होकर आतंकवाद के जड़मूल से विनाश के लिए एकजुटता दिखाई। भारत माता की जय जयकार के साथ आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के स्वच्छता अभियान के बाद श्रद्धालुओं ने टीम सदस्यों के साथ मिलकर आतंकवाद के खात्मे के लिए सरकार के कदम को सराहा। साथ ही कहा कि यथाशीघ्र और भी कड़े कदम उठाएं जाएं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि हिन्दुओं पर हुए आतंकवाद की इस नृशंस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से आतंक के विरुद्ध कठोरतम कदम उठाने की मांग की।

जंगल के बीच गुफा, नक्सलियों के आरामगाह तक पहुंचे जवान

1000 से ज्यादा नक्सलियों का काम तमाम करने में जुटे

बीजापुर ।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना बॉर्डर के करेंगट्टा की पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ बीते 5 दिन से सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। भीषण गर्मी के बीच नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में जवान कामयाब हो गए। यहां नक्सलियों की मौजूदगी के निशान मिले हैं। गुफा में पानी की धार भी है। यहां 1000 से ज्यादा नक्सली रह सकते हैं। नक्सलियों ने सुरक्षा बल के पहुंचने से पहले ही अपना ठिकाना बदल लिया है। फोर्स का मूवमेंट अभी भी पहाड़ियों के नीचे जारी है। सूत्रों के मुताबिक गुफा में आराम से एक हजार से अधिक लोग कई दिनों तक पनाह ले सकते हैं। गुफा के अंदर पानी से लेकर आराम करने लायक भी सुविधा मौजूद है। गुफा के अंदर ही एक बहुत बड़ा मैदान जैसी जगह भी है। गुफा के अंदर नमी होने की वजह से ठंडकता भी है। सुरक्षा बलों के एक्शन से नक्सली घबराए हुए हैं। दो दिन पहले नक्सलियों ने चिट्ठी जारी कर शांतिवार्ता की बात कही थी।

बता दें कि बीजापुर जिले के कोतापल्ली गांव के करेंगुट्टा पहाड़ी में 5 दिनों से सुरक्षा बल के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। यह देशभर में अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन है, जिसमें 10 हजार से ज्यादा जवानों ने बड़े कैडर के नक्सली लीडरों सहित 1000 नक्सलियों को पहाड़ी एरिया में घेर रखा है।

वाटर स्ट्राइक का असर...एक का पानी छोड़ा, दूसरी नदी का रोका...मुजफ्फराबाद में अचानक आई बाढ़, इमरजेंसी घोषित...

झेलम में आई बाढ़... चिनाब में सूखा

नई दिल्ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कदमों का अब पाकिस्तान में असर दिखने लगा है। भारत की और से बह रही झेलम नदी का पानी छोडने पर पाकिस्तान में बाढ़ आ गई।

पाक के मुजफ्फराबाद जिले के आसपास जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बेकाबू हालत देखते हुए यहां इमरजेंसी लगा दी गई है, जबकि नदी किनारे रहने वाले लोगों में दहशत है। भारत के अनंतनाग से होकर पाकिस्तान के चखोटी इलाके में पानी तेजी से बह रहा है। पाकिस्तान ने इस बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पाकिस्तान को बिना सूचित किए ही झेलम नदी का पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। वहीं भारत द्वारा चिनाब नदी का पानी रोके जाने से पाकिस्तान में बहने वाली चिनाब नदी का जल स्तर तेजी से घट रहा है। यह नदी लगभग सूख सी गई है। चिनाब ऐसी नदी है जो कश्मीर से बहकर पाकिस्तान की ओर जाती है और इससे पाकिस्तान को पानी मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी चल रही है। भारत की तरफ से नदियों के पानी को रोकने का ऐलान किया गया था। अब पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया गया है कि भारत ने अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया। भारत द्वारा पीओके में झेलम का पानी भरने के बाद पाकिस्तान ने मुजफ्फराबाद में आपातकाल घोषित कर दिया है। रिपोर्ट में भारत पर आरोप लगाया गया है कि भारत ने पाकिस्तानी अधिकारियों को खबर दिए बिना अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पानी छोडने की वजह से मुजफ्फराबाद के पास जल स्तर में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन ने इसके जवाब में हट्टियन बाला में जल आपातकाल लगा दिया है। मस्जिदों में ऐलान करते हुए स्थानीय लोगों को चेतावनी भी दी गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशो के ढेर लग रहे है।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है।लाशो के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है।हजारो लोग तामउम्र हादसों का दंश झेल रहे है।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है।बच्चे अनाथ हो रहे है।प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

(लेखक -नरेन्द्र भारती)

हिमाचल में सड़क हादसों की लकीर नियति ने बहुत गहरी लिख दी है।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है।2025के चार महिनों में हजारो लोग मौत के मुह में समा चुके है। हादसों को देखकर हालात ऐसे बन गए है कि अल सुबह घर से निकले लोग शाम को घर पहुंचेगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। सड़क हादसों हर रोज घरों के चिराग बूझ रहे है।बच्चे अनाथ हो रहे है।मातओं व बहनों के सिदूंर मिट रहे है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों क़े ढेर लग गए लाशों क़ो ढ़ापने क़े लिए कफ़न कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे शादी का माहौल मातम में बदल गया यह बारात से लौट रहे थे द्य बीते साल 2024में भी बहुत दर्दनाक हादसे हुए थे यह हादसे बदस्तूर जारी हैं द्यआकडों के अनुसार 4 दिसंबर 2023 का काला दिन काल बनकर 11 लोगों क़ो लील गया था द्य तीन सड़क हादसों में कई घरों क़े चिराग़ बुझ गए थे द्य पहला हादसा शिमला जिला क़े सुन्नी में हुआ था जहाँ एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई और छः लोगों की मौत हो गई थी मरने वालों में जम्मू कश्मीर क़े चार लोगों की मौत हो गई थी यह चारों एक ही गाँव क़े रहने वाले थे तथा एक हप्ता पहले ही काम पर सुन्नी आये थे द्य दूसरा हादसा ददाहू संगड़ाह मार्ग पर एक टिपर खाई में गिर गया था और दो लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे द्य तीसरा हादसा मंडी जिले क़े गोहर क़े केलोधार में शादी समारोह में भाग लेकर जंजेहली लौट रहे तीन लोगों की कार खाई में गिर गई और तीनों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे इस हादसे में पति पत्नी की मौत हो गई द्य एक दिन में ग्यारह लोगों की मौत से लोग सदमे में है द्य 2 नवबंर 2023 क़ो करवा चौथ के दिन मंडी व बिलासपुर में दो सड़क हादसों में तीन महिलाओ समेत छह की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ था जो असमय ही इतनी जिंदगीयाँ लील गया था द्य करवा चौथ के दिन हुआ यह हादसा कभी नहीं भूलेगा द्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई थी पल भर में लोग चिथड़ों में बदल गए थे द्यभीषण सडक हादसे कब रुकेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है द्य दर्दनाक हादसे में किसी ने अपना पति तो किसी ने अपनी पत्नी खोई है द्य कोटली व घुमारवीं में हुए इन हादसों से लोग मातम में हैं द्यवर्ष 2018 में शिमला से 130 किलोमीटर दूर मुगंरा में एक वाहन के खाई में गिरने से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसें में मरने वालों में पांच लोग एक ही परिवार के थे मरनेवालों में ज्यादातर चिड़गांव के गावों के थे । मरने वालों में चार महिलाएं आठ पुरुष व एक बच्ची थी । मृतक आपस में करीबी रिश्तेदारथे ।मौत के इस दर्दनाक मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन हुआ था ।यह लोग हाटकोटी से उतराखंड में मदिर दर्शन को जा रहे थे।मगर मंदिर पहुचने से पहले ही काल के गाल मे समा गए। हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशो के ढेर लग रहे है।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है।लाशो के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है।हजारो लोग तामउम्र हादसों का दंश झेल रहे है।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है।बच्चे अनाथ हो रहे है।प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कांगडा के देहरा के ढलियारा में श्रध्दालूओं की एक बस खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई थीं और 45 के लगभग बुरी तरह से घायल हो गए थे।बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरी थी।प्रदेश में हर रोज हादसों का सिलसिला जारी है।प्रतिदिन भीषण हादसे होते जा रहे है ।प्रदेश में एक दिन में 13 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है।सबक न सीखना लोगों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार शून्य ही है।इस पर मंथन करना होगा। जनवरी 2023से लेकर अक्टूबर 2025 के चार महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीषण हादसे हो चुके है।कुछ साल पहले भीषण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनियंत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाशों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्या थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रशासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे। कांगडा के आशापुरी में तथा बिलासपुर कै बंदला में भी ऐसे भीषण हादसे हो चुके हैं। अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी।बीते 2024 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रशासन को देना होगा। प्रतिवर्ष हजारों लोग हादसों का शिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है।बीते हादसों पर नजर उाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है। सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसों के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है। क्योकि इन बसों में अप्रशिक्षित चालकों की लापरवाही के कारण भंयकर हादसे हो रहें हैं। मोबाइल पर प्रतिबन्ध है लेकिन इसकी खुजेआम धज्जियां उडाई जा रही है। प्रशासन भी हादसे के कुछ दिन सक्रियता दिखाता है फिर वही हालात हो जातें है। लोग भी किराये में कुछ रियायत के कारण सरकारी बसों में यात्रा न कर निजि बसों को अहमिहत देतें है और जिदंगियों से खिलवाड करवातें है। चंद चांदी के सिक्कों की खतिर बसों के परिचालक बसों में अपेक्षा से अधिक यात्रियों को बिठाते है और खुद मौत को निमंत्रण देते हैं। प्रतिदिन सडकों पर ओवरलोडिग बसें सरपट दौडती रहती है मगर प्रशासन आखें बंद करके सोया रहता है जब हादसा हो जाता है तब इसकी कुभंकरणी नींद टूटती है । प्रशासन के पहुचनें तक लोगों की सासें खत्म हो चुकी होती है। यदि प्रशासन समय≤ पर कारवाई करता रहे तों इन हादसों पर लगाम लग सकती है। मगर ऐसा नहीं होता ।समझ से परे है कि प्रशासन जितना पैसा राहत कार्यों में बांटता है यदि पहले ही सुरक्षा बरती जाए तो लोगों की अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं। एक व्यक्ति की लापरवाही का खामियाजा लोगों को जान देकर भुगतना पड रहा है। ऐसे लोगों को सजा-ए -मौत देनी चाहिए जो जानबूझकर लोगों की मौत का कारण बनते हैं। यह हादसा इतने जख्म दे गया कि लोगों को उबरने में वर्षों लग जाएगें। इसमें घरों के चिराग बूझ गये कई बच्चों के सिर से बाप का साया उठ गया तो कई माताओं व बहनों के सुहाग छिन गये, माता -पिता के बुढापे के सहारे असमय काल के गाल मे समा गए। इस हादसे मे आनी के एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। विशेषज्ञ रिपोटों में सामने आता है कि 80 फीसदी हादसे चालकों की लापरवाही के कारण होतें है जबकि 20 फीसदी तकनीकी खराबी के कारण होतें है। हर हादसे के बाद मैजिस्ट्रेट जांच होती है मगर कुछ समय बाद यह भी ठंडे बस्ते में पड जाती है।ऐसे हत्यारे चालकों को सरेआम सजा देनी चाहिए ताकि भविष्य में कीमती जाने बच सके। ऐसे हादसे क्यों नहीं रूक पा रहे है यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है।

संपादकीय

जमीनी स्तर पर शासन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में कहा कि बीते दशक में कई पहल की गई हैं। इस संबंध में हाल ही में पंचायती राज मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया और पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) शुरू किया। देश की 2,16,000 पंचायतों को गरीबी उन्मूलन और बेहतर आजीविका, स्वास्थ्य, जल की पर्याप्तता, समुचित अधोसंरचना और सुशासन जैसे मानकों पर आंका गया और रैंकिंग प्रदान की गई। यह सूचकांक देश के सतत विकास के एजेंडे में ग्रामीण स्थानीय निकायों की अहम भूमिका की साहसी स्वीकारोक्ति है। संयुक्त राष्ट्र जहां विभिन्न देशों के स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन की प्रगति की निगरानी करता है और नीति आयोग का एसडीजी इंडिया इंडेक्स राज्य स्तर के प्रदर्शन पर नजर रखता है वहीं हाल के वर्षों में इन लक्ष्यों के स्थानीयकरण पर जोर दिया गया है ताकि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इस संदर्भ में पीएआई एक स्वागतयोग्य कदम है और भविष्य में इसकी कवरेज को सभी 2,69,000 पंचायतों तक बढ़ाया जाना चाहिए। बहरहाल, इसके परिणाम चिंताजनक हैं। एक भी पंचायत ऐसी नहीं रही जिसने अचीवर्स की श्रेणी में जगह बनाई हो। केवल 699 पंचायतों को अग्रणी घोषित किया गया है। इसके अलावा बहुत बड़े पैमाने पर भौगोलिक असमानताएं भी हैं। 699 अग्रणी पंचायतों में से 346 गुजरात की, 270 तेलंगाना की और 42 त्रिपुरा की हैं, जबकि कई राज्य काफी पीछे हैं। पंचायतें शासन का वह स्तर हैं जो जनता के सबसे करीब होता है। शीर्ष से नीचे की ओर आने के मॉडल के बजाय पंचायत के नेतृत्व वाला रुख ऐसी रणनीतियां बनाने की इजाजत देता है जो हर गांव की खास सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों को ध्यान में रख सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो यह और भी अहम है जहां अक्सर सबके लिए एक समान नीतियां नाकाम साबित होती हैं। बहरहाल, अपर्याप्त वित्तीय संसाधन भी ग्रामीण स्थानीय निकायों के सुचारू कामकाज में एक बड़ी बाधा हैं। देश की अधिकांश पंचायतें फंड के लिए सरकार के ऊपरी स्तरों पर बहुत अधिक निर्भर रहती हैं और उनके पास अपने राजस्व के लिए बहुत सीमित संसाधन होते हैं। संपत्ति, स्थानीय बाजारों या कारोबारों पर या तो समुचित कर नहीं लग पाता या फिर इन पर कर लगाना राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील होता है, खासतौर पर गरीब या छोटे गांवों में ऐसा करना मुश्किल होता है। रिजर्व बैंक द्वारा पंचायतों की वित्तीय स्थिति पर कराया गया एक अध्ययन बताता है कि 2022-23 में सभी स्रोतों से प्रति पंचायत औसत राजस्व महज 21.23 लाख रुपये था। इसमें से स्थानीय करों और शुल्क द्वारा उनका निजी राजस्व कुल राजस्व का केवल 1.1 फीसदी ही था। सीमित तकनीकी अधोसंरचना और डिजिटल साक्षरता की कमी भी समस्या को बढ़ाती है। इनकी वजह से निगरानी, आकलन और प्रगति की रिपोर्टिंग पर असर पड़ता है। जमीनी स्तर पर प्रयासों का विभाजित होना भी उतना ही दिक्कतदेह है। गांवों में कई सरकारी विभाग बहुत कम तालमेल के साथ एक ही समय पर काम करते हैं। इसका परिणाम काम के दोहराव और संसाधनों की बरबादी के रूप में सामने आता है। विभिन्न विभागों की गतिविधियों और योजनाओं में तालमेल नहीं होने पर अक्सर सतत विकास लक्ष्यों के अधीन परिकल्पित समग्र विकास दूर ही बना रहता है। पंचायतों की पूर्ण संभावनाओं का इस्तेमाल करने के लिए यह प्रयास किया जाना चाहिए कि उनकी सांस्थानिक क्षमता बढ़ाई जा सके।

हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

भारत हजारों वर्ष पूर्व से अपनी अनमोल विशेषताओं का धनी रहा है। भारत में अनमोल विशाल प्राकृतिक संपदा, अनमोल संस्कृति, साहित्य, ज्ञान, भाषाई विविधता का ख़जाना भरा है। यह देखकर ऐसा महसूस होता है कि सारी सृष्टि में मां सरस्वती ने भारत पर अनमोल कृपा बरसाई है, क्योंकि ऐसा बेजोड़ खजाना शायद ही वैश्विक रूप से किसी देश में होगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों बात अगर हम इस अनमोल ख़जाने की करें तो हम सब 135 करोड़ जनसंख्याकिय तंत्र को गंभीरता से रेखांकित कर इसका लाभ उठाना होगा क्योंकि यह हमारी अनमोल धरोहर और शक्ति भी है तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने की अनमोल कड़ियों में से यह भी एक है जिसके आधार पर हमें आत्मनिर्भर भारत में अनमोल सहयोग व ताकत प्राप्त होगी।

साथियों बात अगर हम हमारी भाषाई विविधता की करें तो हर भारतीय भाषा का गौरवशाली अनमोल इतिहास, समृद्धि, साहित्य भाषा योग्यता है जो हमारी शक्ति है और अनेकता में एकता की भाषा की मिठास से वैश्विक स्तरपर भारतीय साहित्य के साथ-साथ भारत की प्रतिष्ठा भी बड़ी है।साथियों बात अगर हम उपरोक्त भाषाई ख़जाने को रेखांकित करने के महत्व की करें तो भारतीय बौद्धिक क्षमता विश्व प्रसिद्ध है और 135 करोड़ जनसंख्यकीय तंत्र में हर व्यक्ति के पास अपने ढंग की एक विशेष कला है जो उसे उनके भाषाई इतिहास,साहित्य, पूर्वजों से मिली है जिसका उपयोग करने के लिए उनके पास उचित और पर्याप्त प्लेटफार्म नहीं है और अगर है भी तो सभी के लिए नहीं है कुछ ही लोगों के लिए है जिसे हमें रेखांकित कर उनके लिए अपना कौशल दिखाने विश्वविद्यालय स्तरपर ग्रामीण क्षेत्रों में भाषाई विविधता के कड़ियों को जोड़ने एक अभियान चलाना होगा और उस कौशल को बाहर निकालकर हमें तराशना होगा और आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

साथियों बात अगर हम भाषाई विविधता को एक माला में पिरोने की करें तो इसमें राजभाषा हिंदी को एक सखी के रूप में प्रयोग करना होगा और हमारी भाषाई विविधता को हमारी शक्ति बनाना होगा।

साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास है, समृद्ध साहित्य है, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में भाषाई विविधता है। हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है क्योंकि हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक एकता को अभिव्यक्त करती हैं । इस संदर्भ में उन्होंने युवा छात्रों से संप्रदाय, जन्म, क्षेत्र, लैंगिक विभेद, भाषा आदि भेदभावों से ऊपर उठकर देश की एकता को मजबूत करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज से यही अपेक्षित है कि उसकी भाषा सौम्य, सुसंस्कृत और सृजनशील हो। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की कि वे यह संस्कार डालें कि साहित्य लेखन से समाज में सभ्य संवाद समृद्ध हो, ना कि विवाद पैदा हो। हम अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी को भाषा की मर्यादा और समाज के अनुशासन में रह कर प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि विदेशों में फैले प्रवासी भारतीय समुदाय तथा विश्व के अन्य हिंदी भाषी देशों को, मातृभूमि भारत से जोड़े रखने में हमारी भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस संदर्भ में उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे हिंदी भाषी देशों और प्रवासी भारतीय समुदाय के लेखकों की साहित्यिक कृतियों को अपने बौद्धिक विमर्श में शामिल करें। हमारी भाषाई विविधता को देश की शक्ति बताते हुए, उन्होंने इस विविधता में एकता के सूत्र को मजबूत करने का आग्रह किया और कहाकि इसके लिए ज़रूरीहै कि भाषाओं में आपस में संवाद बढ़े। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों के बीच निरंतर संपर्क और बौद्धिक संवाद रहना चाहिए।भारतीय भाषाओं में हो रहे लेखन और प्रयोगों पर विचार होना चाहिए तथा उन्हें विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हिंदी साहित्य की अनेक विख्यात रचनाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया है, जिससे दूर देशों में बैठे हिंदी के पाठक हिंदी का प्रामाणिक साहित्य पढ़ सकें। इस संदर्भ में उन्होंने आग्रह किया कि हिंदी के साथ साथ अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का हिंदी में भी सरल और सरस अनुवाद ऑनलाइन उपलब्ध कराएं। जिससे विश्व भारतीय भाषाओं के समृद्ध साहित्य से परिचित हो सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है। हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास, समृद्धि, साहित्य, भाषाई विविधता हमारी शक्ति है तथा भारतीय अनेकता में एकता की भाषाई मिठास से वैश्विक स्तर पर भारतीय साहित्य की प्रतिष्ठा बड़ी है।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

(चिंतन- मनन)

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टिप्पणियाँ विवादों में

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यों की खंडपीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में एक एसी टिप्पणी की, जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। राहुल गांधी द्वारा की गई विनायक दामोदर राव सावरकर पर की गई टिप्पणी को सुप्रीम कोर्ट ने गैर जिम्मेदाराना बताते हुए सख्त लहजे में कहा, यदि दोबारा राहुल गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का मजाक बनाया गया, विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ यदि कोई बयान दिया गया, तो हम स्वयं संज्ञान लेकर राहुल गांधी पर कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में आई, जिसमें राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से जारी समन को रद्द करने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, राहुल गांधी सेशन कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर कर सकते हैं। इस मामले की अपील राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की। राहुल गांधी के खिलाफ जो आपराधिक कार्रवाई चल रही थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच में सुनवाई के लिए लगा था। 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में दामोदर राव सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद देश भर में राहुल गांधी के खिलाफ कई स्थानों पर मुकदमे दर्ज किए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा, स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। कानून के आधार पर राहुल गांधी को राहत दी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपना फैसला लिखा, उसमें जो टिप्पणी की गई थी। उसका कोई उल्लेख नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से सावरकर की विचारधारा को लेकर सरकार उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बनाने का प्रयास कर रही है। पिछले कुछ दशकों में इंग्लैंड से बहुत सारे ऐसे दस्तावेज जो ब्रिटिश सरकार के पास थे, वे एक लंबे समय के बाद भारत सरकार के पास समय-समय पर वापस लौटे हैं। इन दस्तावेजों में वीर सावरकर जब जेल में बंद थे उस समय लिखे पत्र भी सार्वजनिक हुए। यह पत्र कब भारत सरकार को मिले हैं इसकी जानकारी तो नहीं है। दामोदर राव सावरकर शुरुआती दौर में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में उतरे थे। जब उन्हें जेल हुई, उसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से अलग होते हुए, अंग्रेज सरकार से माफी मांगी। अपने आप को अंग्रेज सरकार का मुलाजिम बताते हुए सरकार को भरोसा दिलाया था, सरकार जो कहेगी वह करेंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दामोदर राव सावरकर ने अंग्रेजों की सेना में युवाओं की भरती के लिए अभियान चलाया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं, उसके अनुसार दामोदर राव सावरकर को अंग्रेज सरकार से पेंशन भी मिलती थी। इस बात की जानकारी दस्तावेजों के माध्यम से बहुत बाद में प्राप्त हुई है। दामोदर राव सावरकर ने छदम नाम से एक पुस्तक लिखी। जिसमें उन्हें वीर सावरकर के रूप में प्रस्तुत किया गया। 2014 में जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है। उसके बाद से वीर सावरकर को महिमा मंडित करते हुए, स्वतंत्रता संग्राम का महान आंदोलनकारी और विचारक बताने की एक नई कोशिश शुरू की गई है। नाथूराम गोडसे जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी, उन्हें भी महानायक बनाया जा रहा है। जगह-जगह उनके मंदिर बनने लगे। इसके साथ ही महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में उनकी आलोचना करते हुए, गलत तथ्यों के आधार पर, देश में एक नई राजनीति शुरू हुई है। राहुल गांधी जिस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे। सुप्रीम कोर्ट मे जो याचिका उन्होंने लगाई थी। उस पर विचार करके कोर्ट को निर्णय देना था। पिछले कुछ वर्षों में महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में गलत तथ्यों के साथ आलोचना एक पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही है। इसी पक्ष द्वारा वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे को लेकर जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वह सत्य से परे हैं। इस पर राजनीतिक संग्राम तो होना ही था। वह हो भी रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में पिछले कुछ वर्षों से मामलों की सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणियां जजों द्वारा की जाती हैं। जब उन्हीं मामले में आदेश आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। चालू महीने में मारुति सुजुकी ने अपनी बलेनो कार पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स लेकर आई है। बलेनो, हयूदै आई20, टाटा अल्ट्राज और टोयोटा ग्लाझा जैसी कारों से प्रतिस्पर्धा करती है और लंबे समय से इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बलेनो की कीमत रुपए 6,70,000 से रुपए 9,92,000 (एक्स-शो रुम) तक है और इस पर कुल रुपए 57,100 तक के ऑफर्स उपलब्ध हैं। इनमें रिगल किट रुपए 42,280 और अतिरिक्त रुपए 27,100 के ऑफर्स शामिल हैं। मारुति ने एफवाय25 में बलेनो की 1,67,161 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष (एफवाय24) में यह आंकड़ा 1,95,607 यूनिट्स था। हालांकि, हाल ही में लॉन्च हुई बलेनो पर आधारित मारुति सुजुकी फ्रॉन्स ने कुछ हद तक बलेनो की बिक्री को प्रभावित किया है। इन दोनों कारों में समान पावरट्रेन और इंटीरियर्स का इस्तेमाल किया गया है। बलेनो में 1.2-लीटर ड्यूल-जेट ड्यूल-वीवीटी पेट्रोल इंजन है, जो 89.73 पीएस की पावर और 113एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके अलावा, इसमें 5-स्पीड मैन्युअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी हैं। बलेनो का सीएनजी विकल्प भी उपलब्ध है, जो 77.5पीएस और 98.5 एनएम के साथ आता है।

अनंत अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बने

1 मई से संभालेंगे पद, अभी रिलायंस जियो, रिटेल और एनर्जी वर्टिकल के बोर्ड मेंबर

मुंबई। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अनंत अंबानी को कंपनी का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है। अनंत 1 मई से अगले 5 साल के लिए इस पद पर रहेंगे। वे मुकेश अंबानी के छोटे बेटे हैं। 2023 से वे कंपनी में नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। रिलायंस ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि रिलायंस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 25 अप्रैल को अपनी बैठक में ह्यूमन रिसोर्स, नोमिनेशन एंड रिम्यूनरेशन कमेटी की सिफारिश पर विचार किया और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत एम. अंबानी को होल टाइम एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया। अनंत को अगस्त 2022 में कंपनी के एनर्जी वर्टिकल की कमान सौंपी गई थी। इसके अलावा अनंत मार्च 2020 से जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, मई 2022 से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड और जून 2021 से रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के साथ-साथ रिलायंस न्यू सोलर एनर्जी लिमिटेड के बोर्ड मेंबर हैं। वे सितंबर 2022 से रिलायंस की फिलैंथरोपिस्ट आर्म- रिलायंस फाउंडेशन के बोर्ड में भी हैं।

विराट लीजिंग लिमिटेड का ऐलान, शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा

मुंबई। विराट लीजिंग लिमिटेड ने शेयरों के बंटवारे की घोषणा की है। इसके मुताबिक कंपनी के शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। कंपनी के शेयरों का भाव 100 रुपये से कम का है। मार्केट एक्सचेंज को दी जानकारी में विराट लीजिंग लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये होगी। विराट लीजिंग लिमिटेड ने जानकारी देकर बताया है कि स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 16 मई 2025 तय होगा है। यह पहली बार है जब कंपनी के शेयरों का बंटवारा हुआ है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी ने अभी तक एक बार भी बोनस शेयर या डिविडेंड भी नहीं दिया है। शुक्रवार को विराट लीजिंग लिमिटेड के शेयरों में 2 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा था। इसके बाद कंपनी के शेयर मार्केट क्लोजिंग के टाइम पर 74.73 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। इससे पहले कंपनी के शेयरों में 21, 23 और 24 अप्रैल को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 40 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 सप्ताह का हाई 142.10 रुपये और 52 सप्ताह का लो 53 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 97 करोड़ रुपये का है। 5 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 267 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना

नई दिल्ली।

स्वदेशी टाटा मोटर्स कंपनी अपने पोर्टफोलियो में अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट वर्जन जोड़ने की योजना बना रही है। हाल ही में इस कार को टेस्टिंग के दौरान देखा गया और पुणे में रोड टेस्ट के दौरान इसकी स्पाई फोटोज भी सामने आई हैं।

इसे इस साल के अंत तक लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। फ्रंट फेसिया में प्रमुख अपडेट हैं, जैसे शार्प लाइटिंग सेटअप और ग्रिल-बम्पर में बदलाव। इन अपडेट्स से यह हैचबैक और भी स्पोर्टी नजर आएगी। टेस्टिंग व्हीकल में स्टील व्हील का उपयोग किया गया है, जो निचले वैरिएंट को दर्शाता है। वहीं, पिछले हिस्से में रिफ्रेश की गई एलईडी टेल लाइट और अपडेटेड बंपर होने की संभावना है।

इंटीरियर्स में भी बदलाव किए गए हैं, जैसे कि एसी वेंट्स पर पियानो ब्लैक फिनिश और नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील जिसमें इल्यूमिनेटेड टाटा लोगो है।सीएनजी मोड में यह इंजन 73.5 पीएस पावर और 103 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध रहेगा। पेट्रोल और डीजल वेरिएंट्स में भी वही इंजन ऑप्शंस रहेंगे।

अल्ट्रोज सीएनजी फेसलिफ्ट, मारुति बलेनो सीएनजी वेरिएंट को टक्कर देती रहेगी, जिसमें 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन है।

इसके अलावा, फेसलिफ्ट में वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, नई 10.2-इंच इंस्ट्रूमेंट स्क्रीन, अपडेटेड एम्बिएंट लाइटिंग, और पावर्ड ड्राइवर सीट जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं। सुरक्षा के मामले में सभी वैरिएंट्स में 6 एयरबैग और कैमरा-बेस्ड अडास फीचर्स स्टैंडर्ड हो सकते हैं। टाटा अल्ट्रोज सीएनजी में वही 1.2-लीटर डुअल-फ्यूल इंजन रहेगा, जो मौजूदा मॉडल में है।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौकेदेव

नई दिल्ली।

एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है, जो निर्यात के अवसरों को और बढ़ाएगी। इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण सचिव सुब्रत गुप्ता ने भी उद्योग से आग्रह किया कि वह मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें और फलों तथा सब्जियों की बर्बादी को रोकने के उपायों को बढ़ावा दें। गुप्ता ने कहा, भारत कृषि उत्पादों का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन प्रसंस्करण की क्षमता में हम पीछे हैं। इसके साथ ही उन्होंने मादक पेय पदार्थों के निर्यात को बढ़ाने के लिए जोर दिया और कहा कि इससे भारत को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी।

भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, टाटा समूह की इस कंपनी ने रचा इतिहास

मुंबई।

पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दिखाई दिया। सेंसेक्स 659.33 अंक बढ़ा, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 187.7 अंक वृद्धि हुई। इस तेजी के चलते देश की शीर्ष कंपनियों की मार्केट वैल्यू में बढ़ोतरी देखी गई। जिसमें टाटा समूह की कंपनियों ने प्रमुख स्थान हासिल किया। खासतौर पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने रिलायंस और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियों को पछाड़ दिया। भारत की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के मार्केट वैल्यूएशन में पिछले हफ्ते 1,18,626.24 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इसमें सबसे बड़ी बढ़त टीसीएस को मिली, टीसीएस का मार्केट कैप 53,692.42 करोड़ बढ़कर 12,47,281.40 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 34,507.55 करोड़ की बढ़ोतरी की, जिससे उसकी कुल वैल्यूएशन 17,59,276.14 करोड़ रुपये हो गई। रिलायंस अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

इंफोसिस ने भी बीते हफ्ते अच्छा प्रदर्शन किया और कंपनी की मार्केट वैल्यू 24,919.58 करोड़ रुपये बढ़कर 6,14,766.06 करोड़ रुपये हो गई। एचडीएफसी बैंक ने 2,907.85 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ अपनी वैल्यूएशन को 14,61,842.17 करोड़ रुपये तक पहुंचाया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को 1,472.57 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, इससे उसकी वैल्यू 7,12,854.03 करोड़ रुपये हो गई। आईटीसी ने भी 1,126.27 करोड़ रुपये की वृद्धि हासिल की, जिससे उसका मार्केट कैप 5,35,792.04 करोड़ रुपये हो गया।

हालांकि, इस दौरान कुछ कंपनियों को नुकसान भी हुआ। भारती एयरटेल का मार्केट वैल्यू 41,967.5 करोड़ से कम होकर 10,35,274.24 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 10,114.99 करोड़ रुपये घटकर 5,47,830.70 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस और आईसीआईसी बैंक को भी क्रमशः 1,863.83 करोड़ रुपये और 1,130.07 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस समय, भारत की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर है, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसी बैंक, एसबीआई, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का नंबर आता है।

नियमों में बदलाव, 10 लाख रुपये से अधिक की कीमत वाले सामानों पर देना होगा अतिरिक्त टैक्स

नई दिल्ली।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले कई लग्जरी सामानों पर अब टैक्स कलेक्टेड एप सोर्स (टीसीएस) लगाने का दायरा बढ़ाया है। नई व्यवस्था मंगलवार को अधिसूचित की गई थी और यह आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 206सी(1एफ) में किए गए संशोधन के तहत लागू होगी। इसके तहत 10 लाख रुपये से ज्यादा कीमत वाले विशेष हाई-वैल्यू आइटम्स पर 1 फीसदी टीसीएस अनिवार्य किया गया है। पहले यह प्रावधान केवल 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले मोटर वाहनों पर लागू होता था। लेकिन अब वित्तीय (संशोधन) अधिनियम, 2024 के तहत इस दायरे में अन्य महंगे सामानों को भी शामिल किया गया है। अगर आप 10 लाख से ज्यादा कीमत वाले लग्जरी सामान खरीदने की सोच रहे हैं, तब अब आपको अतिरिक्त टैक्स देना पड़ सकता है। वित्त (संशोधन) अधिनियम, 2024 के तहत इनकम टैक्स एक्ट 1961 की धारा 206सी(1एफ) में बड़ा बदलाव किया गया है। इस बदलाव के जरिए अब सिर्फ महंगी कारों पर ही नहीं, बल्कि कुछ और महंगे सामानों पर भी टैक्स कलेक्शन एट सोर्स (टीसीएस) लगाया जाएगा।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने डिजायन टीम बनाने की दी सलाह

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा। वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी। इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय?

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

नोकिया सॉल्यूशंस ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया में एक प्रतिशत हिस्सेदारी 786 करोड़ रुपए में बेची

नई दिल्ली। नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) में अपनी करीब एक प्रतिशत हिस्सेदारी शुक्रवार को 786 करोड़ रुपए में बेच दी है। एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नोकिया सॉल्यूशंस एंड नेटवर्क्स इंडिया ने 102.70 करोड़ शेयर बेचे, जो वोडाफोन आइडिया में लगभग 0.95 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। इन शेयरों को औसतन 7.65 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर बेचा गया, जिससे कुल सौदे की कीमत 785.67 करोड़ रुपए हुई। इस बीच, गोल्डमैन सैक्स, जो एक वैश्विक निवेश कंपनी है, ने वोडाफोन आइडिया में 59.86 करोड़ शेयर यानी 0.55 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों के अन्य खरीदारों का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। पिछले साल जून में, वोडाफोन आइडिया ने घोषणा की थी कि वह नोकिया इंडिया और एरिक्सन इंडिया को उनके आंशिक बकाये का भुगतान करने के लिए 2,458 करोड़ रुपए के शेयर आवंटित करेगी। इस सौदे से नोकिया सॉल्यूशंस को वोडाफोन आइडिया में अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में एक महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ हुआ है, जबकि गोल्डमैन सैक्स जैसे निवेशक इस अवसर का लाभ उठाते हुए वोडाफोन आइडिया में निवेश कर रहे हैं।

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुज़ु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुज़ु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी।

यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुज़ु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। एसएमएल इसुज़ु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुज़ु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था।

यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। महिंद्रा का यह कदम भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाने और अपनी प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हो सकता है।

शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस कर रही टेस्ला, जाने क्यों

मुंबई।

टेस्ला इंक के भारतीय कार्यालय ने देश में अपने मॉडल 3 के शुरुआती बुकर्स को बुकिंग राशि वापस करनी शुरु की है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 2016 में किए गए रिजर्वेशन को रिफंड करना शुरू किया है। इससे अटकलें तेज हैं कि टेस्ला अब भारत में अपनी गाड़ियों की बिक्री शुरू करने को तैयार है। टेस्ला की ओर से ग्राहकों को भेजे ईमेल में कहा गया है, हम फिलहाल आपकी बुकिंग राशि वापस करना चाहते हैं। जब हम भारत में अपने ऑफर्स को अंतिम रूप देने के बाद फिर आपसे संपर्क करने वाले है। एलन मस्क के नेतृत्व वाली टेस्ला इंक पुराने मॉडल 3 वर्जन के बंद होने के कारण यह रिफंड दे रही है।

कंपनी की ओर से ये ईमेल संकेत देते हैं कि टेस्ला भारत में उच्च इम्पोर्ट ड्यूटी को लेकर वर्षों से चली आ रही अड़चनों के बाद अब भारतीय बाजार में आने को तैयार है। मस्क ने हाल ही में पोस्ट करते हुए कहा कि वह इस साल के अंत तक भारत का दौरा करुंगा। यह ऐलान तब हुआ जब भारत और अमेरिका के बीच एक नए व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, जिसमें कारों पर टैरिफ घटाने पर भी चर्चा हो रही है। अगर भारत में टैरिफ स्ट्रक्चर को ज्यादा अनुकूल बनाया गया, तब यह टेस्ला की दीर्घकालिक योजनाओं को नया आकार दे सकता है।

गौरतलब है कि बीते साल टेस्ला की वैश्विक वाहन डिलीवरी में एक दशक से ज्यादा समय में पहली बार गिरावट दर्ज की गई, जबकि चीन की बीवॉयडी कंपनी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। भारत के लिए टेस्ला कारों की सड़क पर मौजूदगी बढ़ती समृद्धि वाले अपर मिडिल क्लास को आकर्षित कर सकती है। हालांकि, इसका खतरा भी है कि इससे देशी कार निर्माताओं पर असर पड़ेगा, जो देश भर में हजारों लोगों को रोजगार देते हैं।

व्हाटसऐप का नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च

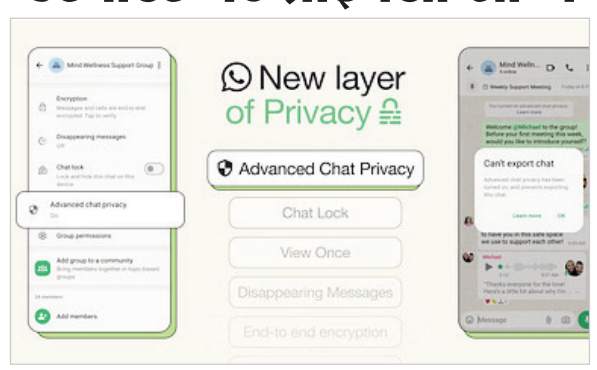

नई दिल्ली।

प्राइवेसी सेटिंग्स को और मजबूत करते हुए व्हाटसऐप ने एक नया फीचर एडवांस्ड चैट प्राइवेसी लॉन्च किया है। यह नया अपडेट पर्सनल और ग्रुप चैट दोनों पर लागू होगा। यह फीचर खासतौर पर यूजर्स की निजी बातचीत की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए लाया गया है।

यूजर को यह फीचर भरोसा देगा कि उनकी बातचीत ऐप के अंदर ही पूरी तरह सुरक्षित रहे। व्हाटसऐप ने स्पष्ट किया है कि उनकी प्राइवेसी की नींव अब भी एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन पर टिकी है, जो पहले से ही यह सुनिश्चित करता है कि मैसेज और कॉल्स केवल भेजने और प्राप्त करने वाले ही देख या सुन सकें। लेकिन अब 'एडवांस्ड चैट प्राइवेसी' फीचर इस सुरक्षा लेयर को और मजबूत करता है। इस फीचर को ऑन करने के बाद चैट्स को एक्सपोर्ट नहीं किया जा सकेगा और मीडिया फाइल्स ऑटोमैटिक डाउनलोड नहीं होंगी। यह फीचर उन लोगों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा जो अपनी प्राइवेट बातचीत को और भी ज्यादा सुरक्षित रखना चाहते हैं। यह नया फीचर व्हाटसऐप के लेटेस्ट वर्जन के साथ सभी यूजर्स के लिए धीरे-धीरे जारी किया जा रहा है। जिन यूजर्स को अभी यह सेटिंग नहीं दिख रही है, वे गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से व्हाटसऐप को अपडेट कर सकते हैं और इस नए प्राइवेसी फीचर का लाभ उठा सकते हैं। व्हाटसऐप का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स को यह यकीन मिलेगा कि उनकी चैटिंग की दुनिया पूरी तरह से ऐप तक ही सीमित है और किसी भी बाहरी माध्यम में उसकी कोई झलक नहीं जाएगी।

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली।

अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है। एप्पल कंपनी वर्तमान में चीन और भारत दोनों ही जगह आईफोन का उत्पादन करवा रही है, लेकिन चीन से आयात महंगा होने के कारण अब कंपनी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ा रही है।

कंपनी के प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स, जैसे फॉक्सकॉन, बेंगलुरु में अपने प्लांट की क्षमता को बढ़ा रहे हैं। फॉक्सकॉन का नया प्लांट इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन आईफोन तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, यदि यह रणनीति सफल होती है, तो 2026 तक भारत में सालाना आईफोन उत्पादन 60 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकता है, जो वर्तमान उत्पादन का लगभग दोगुना होगा। एप्पल की ग्लोबल बिक्री में अमेरिका का हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत है, इसलिए यह कदम कंपनी की लॉजिस्टिक्स रणनीति और प्रॉफिट मार्जिन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। एप्पल का यह कदम व्यापारिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो न केवल भारत को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है, बल्कि चीन के प्रति कंपनी की निर्भरता को भी कम कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन बोले, जिनसे मिला ही नहीं उनसे मेरा नाम जोड़ा गया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज और आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अपने खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चाओं में बने रहते हैं। कुछ समय पहले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ उनके नाम को जोड़ा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान के साथ भी देखे गए। वहीं हाल में एक साझात्कार में शुभमन ने इन सभी बातों को आधारहीन बताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा कि मेरा नाम ऐसे लोगों से जोड़ा गया है जिनसे मैं कभी मिला ही नहीं। इसलिए मुझे इन बातों पर हैरानी होती है। मैंने कुछ लोगों को अपने जीवन में कभी देखा तक नहीं, फिर भी मेरे बारे में ऐसी बातें फैलती हैं। साथ ही कहा कि उनका पूरा ध्यान इस समय अपने करियर पर है आर रिलेशनशिप के लिए उनके पास न तो समय है और न ही रुचि। सारा तेंदुलकर के साथ उनकी कथित डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया के एक इंस्टाग्राम कमेंट से शुरू हुई थीं हालांकि दोनों को कभी सार्वजनिक रूप से एक साथ नहीं देखा गया। इसके अलावा, शुभमन का नाम पहले अभिनेत्री सोनम बाजवा के साथ भी जोड़ा गया था, लेकिन इन अफवाहों में भी कोई सच्चाई नहीं पाई गई।

महिला मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन,

14 भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में

अम्मान।

सेमीफाइनल में भाग ले रही 12 महिला अंडर-15 मुक्केबाजों में से नौ ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे प्रतियोगिता के आठवें दिन एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 14 भारतीयों के लिए फाइनल में जगह पक्की हो गई। दिन का खेल शुरू होने से पहले भारत के लिए 43 पदक पक्के थे, लेकिन भारतीय मुक्केबाजों के फाइनल में जगह पक्की करने के बाद कांस्य पदक रजत और स्वर्ण पदक में बदल गए। महिला अंडर-15 सेमीफाइनल में कोमल (30-33 किग्रा), नव्या (58 किग्रा) और सुनैना (61 किग्रा) ने शानदार आरएससी (रेफरी द्वारा रोकी गई प्रतियोगिता) जीत हासिल की। खुशी अहलावत (35 किग्रा), तमन्ना (37 किग्रा), प्रिंसी (52 किग्रा) और त्रुशाना मोहिते (67 किग्रा) ने स्पष्ट अंकों के अंतर से जीत दर्ज की। मिल्की मीनम (43 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 3-2 से हराकर कड़ी टक्कर दी, जिससे भारत की युवा महिला मुक्केबाजों के लिए यह बेहद सफल दिन रहा। सवि (40 किग्रा) और वंशिका (70+ किग्रा) को फाइनल के लिए बाई मिली थी। पुरुषों की अंडर-15 प्रतियोगिता में, संस्कार विनोद (35 किग्रा)

किर्गिस्तान के आर्सेन जोरोबेव पर आरएससी जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। संस्कार के बाद फाइनल राउंड में रुद्राक्ष सिंह खैदेम (46 किग्रा), अभिजीत (61 किग्रा) और लखसे फोगट (64 किग्रा) शामिल हुए, जिनमें से सभी ने अंकों के आधार पर जीत हासिल की।

आरसीबी के कोच द्वारा हेजलवुड की जमकर प्रशंसा

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जमकर प्रशंसा की है। फ्लावर ने कहा कि हेजलवुड खेल के किसी भी प्रारूप में आसानी से दबाव का सामना करते हैं और जानते हैं कि कब कैसे गेंदबाजी करनी है। आरसीब के अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचने में भी हेजलवुड की अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन देकर 4 विकेट लिए थे। फ्लावर ने कहा, 'मैं उनके आखिरी दोनों ओवरों की बात करूंगा क्योंकि उनके दो ओवरों में केवल सात रन गए और उन्होंने तीन विकेट लिए। उन दोनों ओवरों से पता चलता है कि वि किस स्तर का गेंदबाज है। उसके पास किसी भी प्रारूप में खेलने की क्षमता है। मुझे पता है कि उसे एक ही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी के लिए जाना जाता है पर उसके पास हर तरह की

गेंदबाजी करने की क्षमता है। वहीं जिम्बाब्वे के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने यॉर्कर, वाइड यॉर्कर और धीमी गेंदों का शानदार मिश्रण किया। उसे पता है कि कब किस तरह की गेंदबाजी करनी है। फ्लावर ने कहा कि तीन अलग-अलग तरह की तेज गेंदबाजी आक्रमण आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भुवनेश्वर कुमार का भी प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा रहा है।

प्रियांश आर्य और अभिषेक से प्रभावित हैं स्टोइनिस

नई दिल्ली।

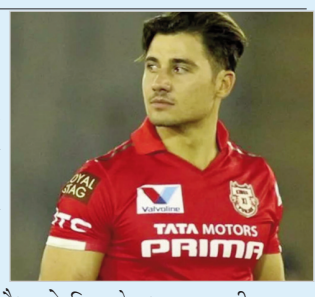

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे स्टोइनिस ने युवा भारतीय क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेलते हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य के प्रदर्शन से भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, ' युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है। खेल के प्रति उनका आक्रामक रवैया वास्तव में शानदार है।

राजस्थान रायल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

जयपुर।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी। इस मैच में टाइटंस का लक्ष्य जीत हासिल कर नंबर एक पर बने रहना है। टाइटंस ने अब तक आठ मैचों में से छह में जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे अधिक 12 अंक हासिल किये है। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम 4 अंकों के साथ 9वें नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में टाइटंस की टीम जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि रॉयल्स को घरेलू मैदान का लाभ जरुर मिलेगा पर इसके बाद भी वह काफी कमजोर है। टाइटंस की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी अच्छी है। उसके बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अब तक सबसे अधिक रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा सबसे अधिक विकेटों के साथ ही पर्पल कैप के नंबर एक दावेदार हैं। इसके अलावा टीम के पास कप्तान शुभमन और और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज भी हैं। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स इस सप्ताह की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मिली हार के बाद ही प्लेऑफ की रैस से बाहर हो गयी थी। नौ मैचों में सातवीं हार के साथ ही वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर हैं।

रॉयल्स की टीम इस सत्र में करीब तीन मैचों में जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी है। पिछले तीन मैचों में जीत के करीब पहुंची लेकिन करीबी मैचों को अपने पक्ष में मोड़ने में नाकाम रही। टीम के नियमित कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं ऐसे में रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग करेंगे। पिछले मैच में भी पराग ही कप्तान थे। टीम की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा नितीश राणा और वैभव सूर्यवंशी पर आधारित रहेगी। .रॉयल्स की गेंदबाज वानिंदु हसरंगा, जोफा आर्चर पर आधारित रहेगी जबकि गुजरात की गेंदबाजी कृष्णा के अलावा मो सिराज पर निर्भर करेगी।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएलः प्रभुसिमरन के 1,000 रन पूरे हुए

कोलकाता। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले टीम के पहले अनकैप्ड बल्लेबाज़ बन गये हैं। प्रभसिमरन ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में लगाये अर्धशतक के दौरान ही अपने 1000 रन पूरे किये। अनकैप्ड खिलाड़ी वो होता है जिसने कभी भी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में कभी अपने देश की ओर से नहीं खेला हो। प्रभसिमरन ने अपनी पारी के दौरान 49 गेंदों में छह चौकों और छह छक्कों की सहायता से 83 रन बनाये। उन्होंने 169.39 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। इस सत्र में उन्होंने 9 पारियों में 32.44 के औसत से 292 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 83 है। उन्होंने कुल मिलाकर 43 मैचों में उनके 24.37 के औसत और 151.88 के स्ट्राइक रेट से 1,048 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 103 रन रहा है।

मनोज तिवारी बोले कोच पोंटिंग के कारण खिताब नहीं जीत सकेगी पंजाब

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और वह खिताब की प्रबल दावेदार है। वहीं अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजाब की टीम खिताब नहीं जीत पायेगी। तिवारी पोंटिंग के कोचिंग के तौर तरीके से खुश नहीं हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि जिस प्रकार से पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे हैं उससे पंजाब को नुकसान होगा। तिवारी ने सोशल मीडिया में लिखा, मुझे लगता है कि इस सत्र में भी पंजाब किंग्स आईपीएल खिताब नहीं जीत पाएगी। मैंने देखा कि कोच भारतीय खिलाड़ियों से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा कर रहे हैं। इसी कारण नेहल वडेरा और शशांक सिंह के बेहतर प्रदर्शन के बाद भी इस सत्र में रन बनाने में विफल रहे ग्लेन मैक्सवेल और मार्को येनसन को को आगे भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, पोंटिंग भारतीय खिलाड़ियों पर कम भरोसा करते दिखे हैं। अगर वे इसी तरह बने रहे तो शीर्ष दो में जगह बनाने के बावजूद पंजाब की टीम खिताब जीत से दूर रह जाएगी।

बारिश के कारण रुका पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स मैच

कोलकाता। आईपीएल का 44वां मैच बारिश के कारण रोका गया। शनिवार को पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 202 रन का टारगेट दिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में पंजाब ने बैटिंग चुनी। टीम ने 4 विकेट खोकर 201 रन बनाए। प्रभसिमरन सिंह ने 83 और प्रियांश आर्या ने 69 रन बनाए। च्यक्र से वैभव अरोड़ा ने 2 विकेट लिए। कोलकाता ने 1 ओवर के बाद बगैर नुकसान के 7 रन बना लिए। टीम से सुनील नरेन और रहमानुल्लाह गुरबाज ओपनिंग करने उतरे। पंजाब से मार्को यानसन ने पहला ओवर फेंका। पहले ओवर के बाद ही खेल रोका गया।

गोयनका खिलाड़ियों को फैसले लेने में आजादी देते हैं - पूरन

लखनऊ।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने फ्रैंचाइजी मालिक संजीव गोयनका का बचाव करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को फैसले लेन में आजादी देते हैं। गोयनका टीम की रणनीतियों में शामिल रहते हैं और माना जाता है कि उनका रवैया खिलाड़ियों की ओर सख्त रहता है। पिछले सत्र में कप्तान रहे केएल राहुल के साथ हुई उनकी बहस के बाद खास विवाद भी उठा था। राहुल को इसके बाद रिटेन नहीं किया गया था। इस बार भी वह टीम की हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई बातचीन के लिए निशाने पर रहे हैं। उन पर खेल के मामलों में बिना कारण हस्तक्षेप के आरोप लगते रहे हैं'। पूरन ने गोयनका के कामकाज की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं और उन्हें खेल के आधार पर फैसले लेने की आजादी देते हैं। पूरन ने बताया कि फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को कई अवसर प्रदान किए हैं, जिसका प्रभाव पूरी टीम के प्रदर्शन पर नजर आया है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों

को आगे बढ़ने का अवसर मिला है। पूरन ने उम्मीद जताई कि इससे अब आने वाले मैचों में टीम बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। पूरन इस सत्र में जबरदस्त फॉर्म में हैं। इस कैरेबियाई बल्लेबाज ने 9 मैचों में 47.13 की औसत और 204.89 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 377 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैच की दौड़ में बने हुए हैं।

केकेआर के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स की कमजोरी सामने आई

कोलकाता।

पंजाब किंग्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस 18 वें सत्र में अच्छा रहा है। उनके बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में उसकी कमजोर कड़ी सामने आ गयी। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाज करते हुए 201 रन बनाये जबकि एक समय उसका स्कोर 14 ओवर के बाद एक विकेट पर 158 रन था। इसके बाद के 6 ओवरों में केवल 43 रन बने। इस प्रकार का प्रदर्शन उसके लिए आने वाले मैचों में परेशानी का कारण बन सकता है। कई मैचों में पंजाब किंग्स अच्छा फिनिश नहीं कर पाई है। अगर 14 ओवर के बाद स्कोर 160 के करीब है तो निश्चित तौर पर 20 ओवर के बाद स्कोर 220 के पार जाना चाहिए था पर टीम इस मैच में उम्मीद से कम रन बना पायी। पंजाब के लिए एक और चिन्ता का कारण ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का लगातार विफल होना है। मैक्सवेल 7 मैचों की 6 पारियों में 50 रन भी नहीं बना पाए हैं। इसके अलावा टीम ने फार्म में चल रहे नेहल वढेरा और शशांक सिंह से पहले मार्को यानसेन और जोश इंग्लिस को बल्लेबाजी के लिए भेज दिया जबकि नेहल और शशांक ने निचले क्रम में तेजी से रन बनाये हैं।

रैना ने धोनी का बचाव किया, जडेजा पर निशाना साधा

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खराब प्रदर्शन को लेकर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का बचाव किया है। रैना ने कहा है कि नीलामी में सही खिलाड़ी नहीं लिए गये हैं और ऐसे में दोषी टीम प्रबंधन है। रैना के अनुसार नीलामी में धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। रैना ने हालांकि ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की ओर निशाना साधा है। रैना ने कहा, 'धोनी 43 साल की उम्र में भी विकेट कीपिंग कर रहे और कप्तानी कर रहे। वे टीम के ब्रॉन्ड के लिए खेल रहे। वे पूरी टीम का भार उठाये हुए हैं पर वे खिलाड़ी क्या कर रहे हैं जो 18 करोड़, 17 करोड़ या 12 करोड़ में खरीदे गए। वे कप्तान की योजना के हिसाब से नहीं खेल रहे।' जडेजा सीएसके के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें 18 करोड़ रुपए मे रीटेन किया गया है। सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग भी मान रहे हैं कि नीलामी में गलती हुई है। उन्होंने हार के बाद कहा, 'यह आसान नहीं है। इसकी जिम्मेदारी शीर्ष पर बैठे लोगों की ज्यादा है। इसके बाद खिलाड़ियों की है।'

पूर्व तेज गेंदबाज बोला, इस कारण असफल हो रहे वेंकटेश अय्यर

मुम्बई।

आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर इस सत्र में असफल रहे हैं जबकि उन्हें फ्रैंचाईजी ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये की मोटी रकम देकर खरीदा था। वह टीम के उपकप्तान होने के बाद भी 8 मैचों में केवल 135 रन ही बना पाये हैं। इस दौरान उनका औसत 22.5 का है और स्ट्राइक रेट 140 रहा है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने कहा है कि नीलामी में मिली अधिक मोटी रकम से उनके ऊपर अपने को साबित करने का दबाव है। इसी कारण हो रहे तनाव से वह अब तक असफल रहे हैं। इस पूर्व गेंदबाज के अनुसार वेंकटेश अपनी बल पर टीम को जीत दिलाना चाहते हैं। सिंह ने कहा, जब किसी खिलाड़ी को नीलामी में इतनी बड़ी कीमत पर चुना जाता है, तो कहीं न कहीं आपके दिमाग में यह बात आती है कि वह या तो आपका मुख्य खिलाड़ी है या फिर कप्तानी के लिए उपयुक्त खिलाड़ी पर यहां तो वह दोनों में से कोई भी नहीं निकला। इसलिए मुझे लगता है कि नीलामी के दौरान और चयन के दौरान केकेआर की ओर से भी कुछ गलती हुई है। उन्होंने आगे कहा, आपने अपने सबसे बेहतरीन कप्तान को जाने दिया और अब वह दूसरी टीम की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस खिलाड़ी को अभी बाहर करना एक बढ़िया विकल्प है, क्योंकि आपने उसे पहले ही कई मैच दे दिए हैं। फॉर्म की समस्या किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकती है पर आमतौर पर, आप जितने ज़्यादा मैच खेलते हैं, आपकी फॉर्म उतनी ही बेहतर होता जाता है। उसे बाहर करना वास्तव में समस्या का कोई समाधान नहीं है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, हो सकता है कि जिस रकम में उसे खरीदा गया है, वह उसके दिमाग में चल रही हो। शायद वह सोच रहा हो कि मुझे इतनी बड़ी रकम में खरीदा गया है, मुझे अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और अपनी टीम को खिताब तक ले जाना चाहिए। यह अति-अपेक्षा शायद दबाव पैदा कर रही हो। साथ

ही कहा कि उसे पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये।

बारिश के कारण मैच रद्द होने से केकेआर व पंजाब को झटका

दोनो को ही एक-एक अंक मिले

कोलकाता।

बारिश के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच आईपीएल में यहां होने वाला नहीं हुआ। इससे दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला है। इस मैच में श्रेयस अय्यर की पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी का करते हुए 201 रन बनाये। प्रियांश आर्य ने 69, प्रभसिमरन सिंह ने 83 रन बनाये। इसके बाद केकेआर की पारी शुरु हुई थी कि बारिश शुरु हो गयी जिस कारण मैच रुक गया। इसके बाद भी जब बारिश नहीं 11 बजे मैच को रद्द घोषित कर दिया गया और दोनों टीमों को 1-1 अंक बांट दिया गया। इससे दोनो को ही झटका लगा है क्योंकि इस मैच में जीत से दोनो ही प्लेऑफ के लिए दावेदारी पक्की करना चाहते थे। पंजाब की टीम अब अंक तालिका में चौथे जबकि कोलकाता 7 के साथ सातवें स्थान पर ही बनी हुई है। पंजाब की ओर से इस मैच में प्रियांश और प्रभसिमरन ने अच्छी शुरुआत कर 8 ओवर में 71 रन बनाये। इस सत्र में ऐसा पहली बार हुआ है जब पंजाब ने पावरप्ले में विकेट नहीं खोया है। प्रियांश ने इस दौरान 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाये। प्रियांश ने 27 गेंदों पर ही पचास रन बना लिए। वहीं प्रभसिमरन ने भी अपने 1000 रन पूरे किये। प्रियांश ने 35 गेंदों पर 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 69 रन बनाए। वहीं प्रभसिमरन ने 38 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। प्रभसिमरन ने 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 83 रन बनाए। मैक्सवेल इस मैच में वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर 7 रन बनाकर आऊट हो गए। मार्को येन्सन 3 ही रन बना पाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई देती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

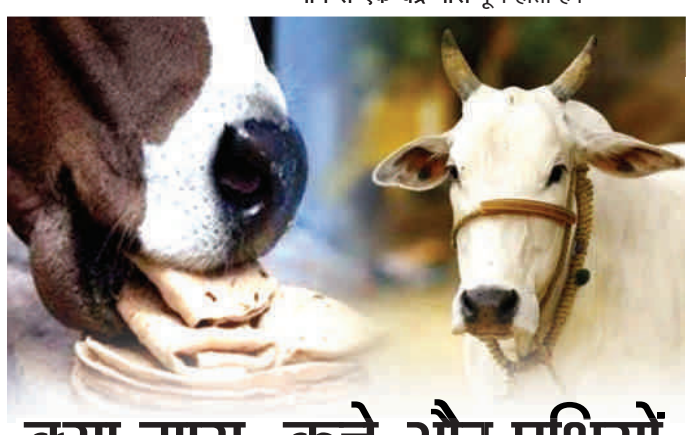

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चारधाम यात्राः भीड़ के सैलाब को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने की योजना तैयार

देहरादून।

चारधाम यात्रा में आने वाली भीड़ को संभालने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तराखंड सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। चारधाम यात्रा मार्ग यातायात और यात्री सुविधाओं की पड़ताल के लिए सरकार ने परिवहन अधिकारियों की टीम को उतार दिया। परिवहन सचिव बृजेश संत ने चारधाम यात्रा रूट पर यातायात व्यवस्थाओं की निगरानी और अध्ययन के लिए सरकार ने परिवहन विभाग की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। उपायुक्त-परिवहन राजीव मेहरा की अगुआई में बनी टीम में चारधाम यात्रा के नोडल अफसर देहरादून के आरटीओ-प्रशासन संदीप सैनी और पौड़ी के आरटीओ द्वारका प्रसाद भी इस टीम में है। शनिवार को टीम केदारनाथ रूट पर रवाना हो गई। एसएसपी अजय सिंह ने आगामी चारधाम यात्रा में वाहनों का दबाव बढ़ने की स्थिति में रूट डायवर्जन प्वाइंट चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाने के लिए भी कहा। एसएसपी ने शनिवार को शिमला बाईपास नया गांव में यात्री रजिस्ट्रेशन सेंटर और होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया। सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों और ड्राइवरों के लिए सुझाव पत्र बनाया है। यात्रियों से अपील है कि वह ऐसे वाहनों से यात्रा ना करें, जिनके टायर घिसे या रिट्रेटेड हों। ड्राइवरों को चप्पल पहनकर वाहन नहीं चलाने की सलाह दी है। यह जानकारी यात्रा के नोडल अधिकारी एवं आरटीओ देहरादून संदीप सैनी ने दी है। इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं का ब्योरा भी जुटा लिया गया है। बीते वर्षों से सबक लेते हुए इस बार सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से पहले से तैयारी कर ली गई है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने और आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा। भीड़ प्रबंधन का यह कार्य राजधानी देहरादून में पटेल भवन में बनाए गए चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से किया जाएगा। इसको लेकर उत्तराखंड पुलिस विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि चारधाम यात्रा में भीड़ प्रबंधन को लेकर शासन स्तर पर निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके क्रम में पटेल भवन में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम की स्थापना कर ली गई, जो शीघ्र ही काम करने

लगेगा। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई है। कंट्रोम रूम चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों से समन्वय बनाते हुए हुए कार्य करेगा।

अटारी बॉर्डर का मंजरः मां के पास भारतीय तो बेटी के पास है पाकिस्तान का पासपोर्ट

नई दिल्ली।

अटारी बॉर्डर पर एक ऐसी मां और बेटी की कहानी सामने आई, जिसने वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर दीं। यह मां के पास तो तो इंडियन पासपोर्ट है, जबकि उनकी बेटी के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट ऐसे में भारत सरकार के फरमान के बाद इन महिलाओं को अपनों से अलग होने का डर सता रहा है। बेटी ने रोते हुए कहा, 'मां के बिना हम बच्चे भी नहीं जाएंगे। अगर जाना है, तो मां के साथ, वरना यहीं रहेंगे। पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की भारत सरकार की डेडलाइन का आज आखिरी दिन है। इस वजह से देश के अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक अटारी बॉर्डर पहुंच रहे हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच अटारी-वाघा बॉर्डर पर भावुक कर देने वाली कई तस्वीरें भी देखने को मिलीं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा रद्द कर दिए। विदेश मंत्रालय ने 23 अप्रैल को घोषणा की कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ना होगा। इस फैसले के बाद अटारी बॉर्डर पर सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिक अपने परिवारों के साथ वापस लौटने के लिए जुट गए, लेकिन कई परिवारों को दस्तावेजों और नागरिकता के मुद्दों के कारण रोका गया। इन्हीं में से एक थी शनीजा खान (बदला हुआ नाम), जो राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली हैं और जिनकी शादी 10 साल पहले पाकिस्तान के कराची में हुई थी। शनीजा के पास भारतीय पासपोर्ट है, लेकिन उनकी 8 साल की बेटी और 6 साल के बेटे के पास पाकिस्तानी पासपोर्ट हैं। शनीजा अपनी बीमार मां से मिलने दिल्ली आई थीं, लेकिन पहलगाम हमले के बाद उन्हें और उनके बच्चों को तुरंत पाकिस्तान लौटने का आदेश मिला। अटारी बॉर्डर पर शनीजा अपनी बेटी और बेटे के साथ पाकिस्तान लौटने के लिए पहुंचीं। हालांकि अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया, क्योंकि शनीजा का भारतीय पासपोर्ट होने के कारण उन्हें पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी गई। दूसरी ओर, उनके बच्चों को उनके पाकिस्तानी पासपोर्ट के आधार पर जाने की अनुमति थी। इस स्थिति ने परिवार को भावनात्मक संकट में डाल दिया। शनीजा की कहानी अकेली नहीं है। पाकिस्तान वापस जाते हुए 81 साल की एक अन्य महिला ने कहा, 'पहलगाम में जो हुआ वो गलत है। तभी हम खामोश हो गए हैं। उन्हें सजा दी जाए। मुझे यहां आए 2 महीने हुए हैं।' अटारी बॉर्डर पर कई ऐसे परिवार हैं, जिनके सदस्यों की नागरिकता और पासपोर्ट अलग-अलग देशों के हैं।

सीएम नीतीश की बुलेटप्रूफ कारः एके 47 की फायरिंग और बम ब्लास्ट का भी नहीं होगा असर

पटना।

बिहार सरकार ने राज्य के वीआईपी नेताओं की सुरक्षा के लिए को मजबूत करने के लिए नई बुलेट प्रूफ गाड़ियां खरीदने का फैसला किया है। इस योजना पर 15.99 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। गृह विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब इसे कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को सौंपी गई है। इस सुरक्षा कवच के दायरे में सिर्फ बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ही नहीं हैं, बल्कि इन बुलेटप्रूफ सुरक्षा कवच वाली गाड़ियों का उपयोग उपमुख्यमंत्री, पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ बिहार के दौरे पर आने वाले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे वीवीआईपी गेस्ट के लिए भी किया जाएगा।साफ है कि राज्य सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अत्यधिक गंभीर दिख रही है। बता दें कि वर्तमान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में 50 लाख कीमत वाली गैर बुलेट प्रूफ हुंडई आयोनिक 5 कार का उपयोग करते हैं। जबकि, पटना से बाहर जब भी जाते हैं तो बुलेट प्रूफ टाटा सफारी का उपयोग करते हैं। अब नई बुलेट प्रूफ गाड़ियों के आने से मुख्यमंत्री, राज्यपाल और अन्य वीआईपी की सुरक्षा पहले से अधिक मजबूत होगी।

बिहार के पास केवल 6 बुलेट प्रूफ गाड़ियां

बिहार सरकार के पास अभी केवल 6 बुलेट प्रूफ गाड़ियां हैं, जिनमें से दो काफी पुरानी हो चुकी हैं। शेष चार गाड़ियां 4 साल पहले खरीदी गई थीं। लेकिन, बदले सुरक्षा माहौल को देखते हुए चुनौतियां बढ़ी हैं। ऐसे में बिहार सरकार ने नई गाड़ियों के खरीद को जरूरी माना है और इसको गृह विभाग ने मंजूरी दे दी है।

बीएसएफ भी दुश्मनों को कड़ा जवाब देने को तैयारः अखिलेश

जैसलमेर।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा है कि आतंकियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी। पीएम मोदी के कड़े रुख के बाद बीएसएफ भी दुश्मनों को कड़ा जवाब देने को तैयार है। जैसलमेर बीएसएफ कंपनी कमांडेंट अखिलेश ने कहा कि हम दुश्मनों का जवाब देने को तैयार हैं। पीएम मोदी ने जो आतंकवादियों के खिलाफ जो कड़ा अपनाया है, उसे अंजाम तक पहुंचाने को बीएसएफ तैयार हैं। हम हमेशा से सरहदों पर अलर्ट रहते हैं। बीएसएफ ने सरहद पर सैनिकों की संख्या बढ़ दी है। हम हर तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। हम बस आदेश का इंतजार कर रहे हैं। 1971 के युद्ध में बीएसएफ द्वारा दुश्मनों को खदेड़ने पर उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी 1971 से भी ज्यादा बेहतर है। अगर हमारे समक्ष उस समय की स्थिति आती है, तब हम दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने को तैयार हैं। सरहद के उस पार आतंकी हाफिज सईद के ठिकानों पर कहा कि उसकी मूवमेंट ग्राउंड पर दिखाई नहीं देती है। लेकिन, हमें खुफिया सूचना मिलती रहती है कि उसकी मूवमेंट पीछे की ओर है। हमारी उस पर पूरी नजर रहती है और पूरी तरह से मुस्तैद हैं और हर तरह से जवाब देने के लिए तैयार हैं। भारत-पाक जैसलमेर सीमा पर बीएसएफ सुरक्षा का जिम्मा संभालती है, जिसमें अवैध घुसपैठ और तस्करी को रोकना शामिल है। पहलगाम आतंकी

घटना के बाद जवान अलर्ट मोड पर सीमा की निगरानी कर रहे हैं। युद्ध की स्थिति में दुश्मनों से कैसे पार पाना है, जवानों को इस बारे में विशेष ट्रेनिंग करते हुए भी देखा जा रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट, श्रावस्ती में घर घर तलाशी अभियान

श्रावस्ती।

उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद के भारत नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र बलों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल से भारत में आवाजाही करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कड़ी तलाशी ली जा रही है। सुरक्षा बलों के स्तर से सीमा के सभी महत्वपूर्ण रास्तों और चेक पोस्टों पर गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद में स्थित भारत-नेपाल सीमा पर भी हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पर चौकसी और निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है और सीमा के आस-पास के गांवों में भी संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश जारी है। खुफिया एजेंसियों को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी को समय रहते रोका जा सके। श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने बताया

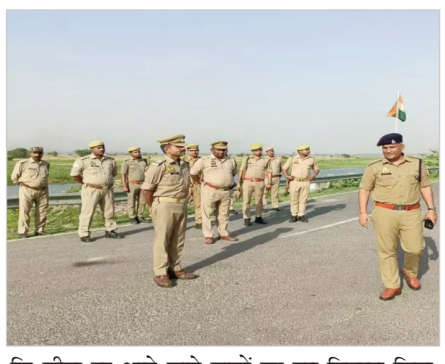

कि सीमा पर आने-जाने वालों का पूरा विवरण लिया जा रहा है और हर संदिग्ध गतिविधि की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। बता दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले ने देश भर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

सुरक्षा बलों ने 10 आतंकियों के घर किए ध्वस्त

श्रीनगर।

आतंकवादियों और आतंकी संपर्कों पर अपनी व्यापक कार्रवाई जारी रखते हुए सुरक्षा बलों ने बांदीपोरा जिले के चोटीपोरा गांव में एक आतंकवादी के घर को ध्वस्त कर दिया। अब तक करीब 10 आतंकियों के घर जमींदोज किए गए हैं। जिन आतंकियों के घर ध्वस्त किए गए हैं उनमें लश्कर-ए-तैयबा के आदिल हुसैन ठोकर, जाकिर अहमद गनई, अमीर अहमद डार, आसिफ शेख, शाहिद अहमद कुट्टे, अहसान उल हक अमीर, जैश-ए-मोहम्मद के अमीर नजीर वानी, जमील अहमद शेर गोजरी, द रेजिस्टेंस फ्रंट के अदनान सफी डार और फारूक अहमद तेदवा शामिल हैं। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, अहसान उल हक ने 2018 में पाकिस्तान में प्रशिक्षण लिया और हाल ही में घाटी में घुसपैठ की थी। लश्कर

कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है और जाकिर अहमद गनी कई आतंकवाद-संबंधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए निगरानी में था।

अधिकारियों ने बताया कि फारूक अहमद तेदवा पाकिस्तान से अपनी गतिविधियां चला रहा है। वहीं, थोठर पर मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सीधे तौर पर शामिल होने का संदेह है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि ध्वस्तीकरण और तलाशी का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तंत्र को नष्ट करना है। पहलगाम के बैसरन मैदान में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद अब तक कश्मीर में आतंकवादियों के 10 घरों को ध्वस्त किया जा चुका है।

इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पहलगाम आतंकी हमले में अब तक 175 संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमतिः अब बड़े लोन डिफॉल्टरों के खिलाफ फिर से शुरू होगी कार्रवाई

नई दिल्ली।

भारी भरकम कर्ज लेकर मौज काट रहे लोगों की अब खैर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक को वसूली की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा कि रिजर्व बैंक और बैंक, बड़े लोन डिफॉल्टरों के खिलाफ फिर से कार्रवाई कर सकते हैं। जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की बेंच ने कहा कि अगर किसी प्रशासनिक कार्रवाई को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करके रद्द किया जाता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि प्रशासनिक अधिकारी फिर से कार्रवाई नहीं कर सकते। रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कई हाई कोर्ट के उन आदेशों को रद्द कर दिया है, जिनमें लोन लेने वालों के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था। साथ ही बैंकों द्वारा उनके खातों को धोखाधड़ी घोषित करने पर भी रोक लगा दी गई थी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश भर के हाई कोर्ट ने अपनी सीमा से बाहर जाकर काम किया। उन्होंने उन उधारकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर और आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया, जिनके खातों को धोखाधड़ी घोषित किया गया था।

जबकि इस घोषणा को चुनौती भी नहीं दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि रिजर्व बैंक और बैंकों जैसी संस्थाओं की प्रशासनिक कार्रवाई और आपराधिक कार्यवाही, दोनों अलग-अलग चीजें हैं। एफआईआर दर्ज होने का मतलब है कि कानून ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसका प्रशासनिक फैसले से कोई लेना-देना नहीं है जो किसी और अथॉरिटी ने लिया है।

कोर्ट ने कहा, सिर्फ इसलिए कि तथ्य एक जैसे हैं, यह नहीं कहा जा सकता कि अगर कोई वैध प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है तो कोई अपराध, जो संज्ञेय है, दर्ज नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से उधारकर्ताओं के लिए गंभीर परिणाम होते हैं और उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया जाता है।

इसलिए, सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए ताकि वे अपना पक्ष रख सकें। कोर्ट ने रिजर्व बैंक और बैंकों से कहा था कि वे अपने नियमों में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को शामिल करें ताकि प्रभावित व्यक्ति को अपना मामला पेश करने का मौका मिले।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश भर के हाई कोर्ट ने न केवल उधारकर्ता के खाते को धोखाधड़ी घोषित करने के फैसले को रद्द कर दिया, बल्कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर और आपराधिक कार्यवाही को भी रद्द कर दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इन फैसलों को गलत बताया है।

पाकिस्तान सीजफायर तोड़ने से नहीं आ रहा बाजः एलओसी पर तीसरे दिन भी हुई गोलीबारी

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की। शनिवार देर रात टुटमारी गली और रामपुर सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों से फायरिंग की गई, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। लगातार तीसरे दिन संघर्षविराम का उल्लंघन किया गया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 26-27 अप्रैल की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने कई चौकियों से गोलीबारी की। भारतीय सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब देते हुए स्थिति को नियंत्रण में रखा। हाल के दिनों में पाकिस्तान द्वारा 24 अप्रैल को भी इसी तरह की फायरिंग की गई थी। हालांकि, इन घटनाओं में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि ये घटनाएं ऐसे समय में हो रही हैं जबकि घाटी में पहले से ही तनाव का माहौल है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या कर दी थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। आतंकवादियों को भारत हर संभव सजा देकर रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि आतंकवादियों, उनके

मददगारों और समर्थकों को दुनिया के किसी भी कोने में ढूंढ़कर सजा दी जाएगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और आतंकियों के खिलाफ हरसंभव बल के प्रयोग का निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, हीटवेव को लेकर अलर्ट दिया

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने 28 अप्रैल को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, केरल, कर्नाटक और बंगाल में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में ओले गिर सकते हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्यप्रदेश में हीटवेव को लेकर अलर्ट दिया गया है। राजस्थान में लगातार दूसरे दिन के साथ-साथ रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी। 29 अप्रैल को केरल, कर्नाटक, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट है। 30 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश में हीटवेव का अलर्ट है, जबकि यूपी, बिहार, झारखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़ में तेज गर्मी पड़ेगी। ओडिशा, केरल में भारी बारिश हो सकती है। जबकि कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आंधी, बारिश और बिजली गिरने के आसार हैं।

सोन नदी में नहाने गए पांच बच्चे डूबे, दो बच्चियों की मौत

रोहतास। बिहार के रोहतास से बेहद दर्दनाक हादसे की खबर आई है। यहां बांदु गांव के पास सोन नदी में नहाने गए पांच बच्चे डूब गए। इस दर्दनाक हादसे में दो बच्चियों की मौत हुई, जबकि एक बच्चा और एक बच्ची को सकुशल बचाया गया है। वहीं एक अन्य बच्ची की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, सभी बच्चे रिश्तेदार के घर गृह प्रवेश में शामिल होने गए थे। समारोह के दौरान ही वे सोन नदी में नहाने गए। नहाते समय अचानक गहरे पानी में चले जाने के कारण हादसा हुआ। इसमें 17 साल की रुचि कुमारी निवासी कुटुंब औरंगाबाद और 12 वर्षीय मनीषा कुमारी निवासी जपला के शव बरामद किए गए। वहीं, सोनाली कुमारी और मोहित कुमार को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पलक कुमारी नाम की एक अन्य बच्ची की खोजबीन जारी है। गोताखोर और प्रशासन की टीम मौके पर जुटी हुई है।

बिहार सरकार ने बताया, सभी पाकिस्तानी नागरिक राज्य से जा चुके

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने कहा है कि हाल के दिनों में राज्य में आए सभी पाकिस्तानी नागरिक 27 अप्रैल की समय सीमा से पहले वापस जा चुके है। रिपोर्ट के मुताबिक बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बिहार के विभिन्न जिलों में विजिट वीजा और टूरिस्ट वीजा पर आए कुल 19 पाकिस्तानी नागरिक 25 अप्रैल या उससे पहले राज्य से जा चुके है। यह विवरण उन पाकिस्तानी नागरिकों से जुड़ा है, जो जनवरी 2025 के बाद राज्य में आए थे। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि राज्य में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक नहीं है। टूरिस्ट वीजा पर आए सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है। राज्य में अब केवल वे पाकिस्तानी नागरिक ही रह रहे हैं, जो मेडिकल वीजा और लॉन्ग टर्म वीजा (एलटीवी) पर हैं। नीतिश सरकार ने संबंधित अधिकारियों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि कोई भी पाकिस्तानी नागरिक केंद्र द्वारा निर्धारित समयसीमा से आगे भारत में न रहे। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद भारत से पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है।

दशाश्वमेध घाट पर लोगों ने आतंकवाद के जड़मूल से विनाश के लिए एकजुटता दिखाई

वाराणसी।

नमामि गंगे गंगा विचार मंच महानगर इकाई की ओर से दशाश्वमेध घाट पर स्वच्छता अभियान शुरु हुआ। टीम के सदस्यों ने गंगा निर्मलता के उद्देश्य से जनजागरण अभियान चलाया। अभियान के तहत दर्जनों सदस्यों ने गंगा की तलहटी में उतरकर भारी मात्रा में कपड़े, पॉलीथिन, माला-फूल आदि बाहर निकाला। इसी क्रम में पहलगाम घटना से मर्माहत लोगों ने गंगातट पर रोष प्रकट किया। दशाश्वमेध घाट पर स्नान के दौरान लोगों ने गंगा में खड़े होकर आतंकवाद के जड़मूल से विनाश के लिए एकजुटता दिखाई। भारत माता की जय जयकार के साथ आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। नमामि गंगे गंगा विचार मंच के स्वच्छता अभियान के बाद श्रद्धालुओं ने टीम सदस्यों के साथ मिलकर आतंकवाद के खात्मे के लिए सरकार के कदम को सराहा। साथ ही कहा कि यथाशीघ्र और भी कड़े कदम उठाएं जाएं। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि हिन्दुओं पर हुए आतंकवाद की इस नृशंस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से आतंक के विरुद्ध कठोरतम कदम उठाने की मांग की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव हमेशा रहा है, ट्रंप बोले- दोनों नेताओं से परिचित, सुलझा लेंगे मुद्दे

वाशिंगटन, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ कुछ सख्त कदम उठाए है। इससे पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ती ही जा रही है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हमेशा से तनाव रहा है और वे इसे किसी न किसी तरह से खुद ही सुलझा लेंगे। बता दें कि ट्रंप ने यह बात उस समय कही जब वे रोम जाने के लिए एयर फोर्स वन विमान में सवार थे। साथ ही पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान ट्रंप ने कहा कि मैं भारत और पाकिस्तान दोनों के करीब हूं। उन्होंने कहा कि कश्मीर का मामला बहुत पुराना है, 1,000 साल या शायद उससे भी ज्यादा समय से लड़ाई चल रही है। ट्रंप ने पहलगाम हमले को लेकर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो हुआ वो बहुत बुरा था। इसके साथ ही ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद पर कहा कि भारत पाकिस्तान के बीच सीमा पर 1,500 सालों से तनाव रहा है। यह नया नहीं है। लेकिन मुझे भरोसा है कि भारत और पाकिस्तान इसे किसी तरह से सुलझा लेंगे। मैं दोनों नेताओं को जानता हूं। वे इसे किसी न किसी तरह से खुद ही सुलझा लेंगे।

हूती विद्रोहियों ने मार गिराए सात अमेरिकी रीपर ड्रोन; 20 करोड़ डॉलर से अधिक के अमेरिकी विमान हुए क्षतिग्रस्त

साना, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों ने छह सप्ताह से भी कम समय के भीतर अमेरिका के सात 'रीपर ड्रोन' पर हमला कर उन्हें मार गिराया है। इससे अमेरिका को 20 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्य के विमानों का नुकसान हुआ है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के अनुसार, पिछले सप्ताह तीन ड्रोन को गिराया गया था। इससे पता चलता है कि यमन के ऊपर उड़ने वाले मानवरहित इन वायुयानों को निशाना बनाने की आतंकवादियों की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि ये ड्रोन का इस्तेमाल हमला करने या फिर निगरानी करने के मकसद से किया जा रहा था, जो पानी और जमीन दोनों पर गिर गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक नए और विस्तृत अभियान शुरू करने के आदेश के बाद अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ अपने हमले बढ़ाए हैं। इस बीच यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को व्यापक प्रदर्शन किया। हूतियों की मांग है कि इस्राइल फलस्तीन पर हमले रोके औरस कब्जे वाले क्षेत्रों को तुरंत खाली करे। सना में आयोजित प्रदर्शन में करीब एक लाख हूतियों ने हिस्सा लिया और इस्राइल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के खिलाफ भी नारे लगाए।

सोशल मीडिया पर तबाही की भविष्यवाणी करने वाला गिरफ्तार

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में 21 साल के एक कथित भविष्यवक्ता को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि युवक ने सोशल मीडिया पर भविष्यवाणी की थी कि म्यांमार में एक और बड़ा भूकंप आएगा। इससे लोगों में घबराहट फैल गई। आरोपी की पहचान जो मो के रूप में हुई है। जो मो की यह भविष्यवाणी 9 अप्रैल को सामने आई थी। इससे दो हफ्ते पहले ही म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 3500 लोग मारे गए थे और भारी तबाही हुई थी।

ईरान के बाद सऊदी अरब ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश शुरू की

तेहरान, एजेंसी। ईरान के बाद अब सऊदी अरब ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को कम करने की कोशिश शुरू की है। सऊदी अरब के बड़े अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी से कहा कि भारत-पाकिस्तान दोनों देश सऊदी अरब के अहम सहयोगी रहे हैं। हम नहीं चाहते हैं कि स्थिति कंट्रोल से बाहर हो जाए। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लेकर किंगडम बातचीत कर कर रहा है। सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान ने शुक्रवार को अपने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार से अलग-अलग फोन पर बातचीत की थी। जयशंकर ने अल सऊद को हमले और इसके सीमापार संबंधों के बारे में जानकारी दी। इससे पहले ईरान ने शुक्रवार को भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने कहा था कि तेहरान इस मुश्किल समय में बेहतर अंडरस्टैंडिंग बनाने के लिए इस्लामाबाद और नई दिल्ली में अपने ऑफिस का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है।

पाक सरकार ने लगातार दूसरे दिन विदेशी राजनयिकों को भारत के साथ तनाव के बारे में जानकारी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन इस्लामाबाद में मौजूद विदेशी राजनयिकों को पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''जारी कूटनीतिक संपर्क के हिस्से के रूप में विदेश सचिव आमना बलोच ने इस्लामाबाद में मौजूद मिशन प्रमुखों और राजनयिकों को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद के नवीनतम घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी।'' बयान में कहा गया है कि बलोच ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के मुख्य निष्कर्षों को साझा किया और ''हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के भारत के आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज किया।'' बलोच ने भारत की आक्रामक कार्रवाइयों के प्रति भी आगाह किया तथा किसी भी आक्रामक कदम का दृढ़ता से जवाब देने के पाकिस्तान के संकल्प की पुन: पुष्टि की।

क्वेटा में आईडी ब्लास्ट, दस पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों की मौत

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में शुक्रवार देर शाम को आईडी ब्लास्ट में पाकिस्तानी फौज के 10 जवान मारे गए। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने बम निरोधक दस्ते के काफिले को निशाना बनाकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईडी) से हमला किया। विद्रोही गुट बीएलए ने हालिया महीनों में बलूचिस्तान में लगातार पाकिस्तानी फौज और सरकार के लोगों को निशाना बनाया है। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने शुक्रवार देर रात इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उनके हमले में 10 पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों की मौत हुई है। जीयंद बलूच ने कहा कि क्वेटा के मार्गट में रिमोट कंट्रोल से आईडी हमला करके पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया गया। बीएलए ने कहा है कि पाकिस्तान की सेना बलूचिस्तान के लोगों का दमन करती है। ऐसे में वह अपने लोगों की आजादी के लिए लड़ रही है। वह दुश्मन सेना (पाक फौज) के खिलाफ अभियान तेजी के साथ जारी रखेगा। क्वेटा हमले के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जान गंवाने वाले जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी क्वेटा में हुए हमले की निंदा की। उन्होंने घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ की।

बीएलए ने पिछले महीने क्वेटा में ट्रेन हाईजैक की थी : बलूच लिबरेशन आर्मी ने पिछले महीने बलूचिस्तान के क्वेटा में जाफर एक्सप्रेस पर हमला कर उसे हाईजैक कर लिया था। ट्रेन में लगभग 450 पैसेंजर सवार थे। बीएलए ने जेल में बंद बलूच कार्यकर्ताओं, राजनैतिक कैदियों, गायब लोगों, लड़ाकों और अलगाववादियों की बिना शर्त रिहाई की मांग की थी। इसके बाद पाकिस्तानी सेना और बलूच लड़ाकों के बीच 48 घंटे लड़ाई चली थी। पाकिस्तानी सेना दावा किया था कि 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं और सभी बंधकों को रिहा करा लिया गया। जबकि बलूच लड़ाकों ने 100 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया था। बलूच लिबरेशन आर्मी क्या है बलूचिस्तान में कई लोगों का मानना है कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे के बाद वे एक आजाद देश के तौर पर रहना चाहते थे, लेकिन बिना उनकी मर्जी से उन्हें पाकिस्तान में शामिल कर दिया गया था। इस वजह से बलूचिस्तान में सेना और लोगों का संघर्ष आज भी जारी है। बीएलए की प्रमुख मांग पाकिस्तान से अलग होकर बलूचिस्तान देश का गठन करना है। बलूचिस्तान में आजादी की मांग करने वाले कई संगठन हैं। इनमें बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) सबसे ताकतवर संगठन है। ये संगठन 70 के दशक में अस्तित्व में आया, लेकिन 21वीं सदी में इसका प्रभाव बढ़ा है। बीएलए बलूचिस्तान को पाकिस्तानी सरकार और चीन से मुक्ति दिलाना चाहता है। उनका मानना है कि बलूचिस्तान के संसाधनों पर उनका हक है। पाकिस्तान सरकार ने बलूच लिबरेशन आर्मी को 2007 में आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया था। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में नौ आतंकवादी ढेर पाकिस्तानी सेना ने नौ आतंकियों को मारने का दावा किया है। सेना की मीडिया विंग- इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से लगे बन्नू जिले में आतंकियों के खिलाफ 23-24 अप्रैल की रात को अभियान चलाया गया था। सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। अभियान के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों ने आतंकवादियों के ठिकानों पर कब्जा कर लिया। बता दें कि नवंबर 2022 में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के साथ संघर्ष विराम समझौता टूटा था। इसके बाद पाकिस्तान में, विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं।

उत्तर कोरिया ने तैयार किया नौसैनिक विध्वंसक जहाज, किम ने तनाव के लिए अमेरिका को ठहराया जिम्मेदार

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया लगातार अपनी सैन्य ताकत में इजाफा कर रहा है। देश ने अब नया नौसैनिक विध्वंसक

जहाज तैयार किया है। तानाशाह किम जोंग उन ने नए जहाज का अनावरण किया। उन्होंने इसे अपनी परमाणु-सशस्त्र सेना की परिचालन सीमा और पूर्वव्यापी हमला क्षमताओं का विस्तार करने के लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम बताया। इसके अलावा किम ने दुनियाभर में बढ़ रहे तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। शुक्रवार को नंपो के पश्चिमी बंदरगाह पर 5,000 टन के युद्धपोत के शुभारंभ समारोह में किम ने नए जहाज को देखकर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और एशिया में उसके सहयोगियों से कथित खतरों के जवाब के रूप में हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। क्योंकि अमेरिका और उसके सहयोगी परमाणु कार्यक्रम पर बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का अधिग्रहण उनकी नौसेना को मजबूत करने की दिशा में उनका बड़ा कदम होगा। किम ने कहा कि नए बहुउद्देशीय विध्वंसक को विभिन्न हथियार प्रणालियों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें हवाई और नौसैनिक हमले को रोकने के साथ ही परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें शामिल हैं। नए जहाज को अगले साल की शुरुआत में नौसेना को सौंप दिया जाएगा और यह सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर देगा। किम ने संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विस्तार करने और अपनी परमाणु निरोध रणनीतियों को अपडेट करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया के हालिया प्रयासों की आलोचना की। किम ने भू-राजनीतिक संकट और चल रहे घटनाक्रमों का निर्णायक रूप से जवाब देने की कसम खाई। उत्तर कोरिया के नए युद्धपोत का अनावरण मार्च में निर्माणाधीन एक कथित परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी के खुलासे के बाद हुआ है।

धर्म के आधार पर वोट देने की अपील, सिंगापुर सरकार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लगाया प्रतिबंध

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में जल्द ही आम चुनाव होने हैं। ऐसे में सिंगापुर की सरकार सोशल मीडिया पर नजर रख रही है और जो भी सोशल मीडिया अकाउंट मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें प्रतिबंधित किया जा रहा है। एक सिंगापुर मूल के ऑस्ट्रेलियाई और दो मलेशियाई राजनेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट प्रतिबंधित कर भी दिए गए हैं। दरअसल इन सोशल मीडिया अकाउंट्स की पोस्ट में सिंगापुर सरकार की धार्मिक मामलों को हैंडल करने के तरीके की आलोचना की गई थी और लोगों को धर्म के आधार पर वोट देने की अपील की गई थी। सिंगापुर में आगामी 3 मई को चुनाव होने हैं। इस बीच सिंगापुर के चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया कंपनी मेटा को कई अकाउंट्स को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है। इनमें से एक अकाउंट जुल्फीकार बिन मोहम्मद शरीफ का है, जो सिंगापुर मूल का ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है। शरीफ पर आरोप है कि उसका इस्लामिक स्टेट से ताल्लुक है और सिंगापुर में उसे आईएस से संबंधों और आतंकवाद को बढ़ावा देने के चलते हिरासत में भी लिया गया था। शरीफ ने सिंगापुर के मलय मूल के लोगों से अपील की कि सिंगापुर की संसद मलय मुस्लिम लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रही। शरीफ ने लोगों से वोट ने देने की अपील की।

जेफ्री एपस्टीन के वेश्यावृति नेटवर्क का भंडाफोड़ करने वाली वर्जीनिया की मौत, ऑस्ट्रेलिया में की आत्महत्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाई प्रोफाइल वेश्यावृति नेटवर्क का खुलासा करने वाली वर्जीनिया गेफ्री की मौत हो गई है। वर्जीनिया ने आत्महत्या की है। वर्जीनिया वेश्यावृत्ति के मास्टरमाइंड अरबपति जेफ्री एपस्टीन के शोषण की सबसे प्रमुख शिकार थी। वर्जीनिया (41 वर्षीय) के परिवार ने भी उसके आत्महत्या करने की पुष्टि की है। जेफ्री एपस्टीन के खिलाफ उठाई आवाज वर्जीनिया उन आवाजों में से एक थी, जिसने शारीरिक शोषण और मानव तस्करी और खासकर जेफ्री एपस्टीन के खिलाफ आवाज उठायी। वर्जीनिया की वजह से ही कई अन्य पीड़ितों को भी ताकत मिली, जिससे जेफ्री एपस्टीन के खिलाफ मुकदमा शुरू हो सका। वर्जीनिया ने ही जेफ्री के खिलाफ अदालत में गवाही दी और जेफ्री को वेश्यावृत्ति का नेटवर्क चलाने और बड़ी संख्या में महिलाओं के यौन शोषण और मानव तस्करी का दोषी ठहराया गया। उल्लेखनीय है कि जेफ्री एपस्टीन ने भी साल 2019 में जेल में रहने के दौरान ही आत्महत्या कर ली थी। वर्जीनिया के परिवार ने बयान जारी कर कहा कि %बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बीती रात वर्जीनिया ने अपने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया स्थित फार्म पर आत्महत्या कर ली। वह जीवनभर शारीरिक शोषण और यौन तस्करी से जूझती रही किशोरावस्था में ही

जेफ्री के संपर्क में आई परिवार ने कहा कि शारीरिक शोषण का बोझ उसके मन पर इतना ज्यादा था, जो वर्जीनिया के लिए असहनीय हो गया था और उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।% वर्जीनिया की जीवन बहुत मुश्किलों से भरा रहा। फ्लोरिडा में अपने शुरुआती जीवन में ही वर्जीनिया का परिवार के ही एक करीबी व्यक्ति ने यौन शोषण किया। इसके चलते वर्जीनिया को सड़कों पर रहना पड़ा। जब वह किशोर थी तो उसी दौरान वह जेफ्री एपस्टीन के करीबी मैक्सवेल के संपर्क में आई। इसके बाद साल 1999 से लेकर 2002 तक जेफ्री एपस्टीन ने वर्जीनिया का शोषण किया। वर्जीनिया ने आरोप लगाया कि जेफ्री एपस्टीन ने उसे वेश्यावृत्ति में धकेला और उसे कई हाई प्रोफाइल लोगों के पास भेजा गया। इनमें प्रिंस एंड्रयू और मॉडलिंग एजेंट जीन ल्यूक ब्रूनेल आदि का नाम भी शामिल है। हालांकि प्रिंस एंड्रयू ने वर्जीनिया के आरोपों से इनकार किया था।

लंदन में पाकिस्तानी डिप्लोमैट की शर्मनाक हरकत, प्रदर्शनकारियों की तरफ किया गला रेतने का इशारा

लंदन, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर लंदन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों की तरफ पाकिस्तानी राजनयिक ने गला रेतने का धमकी भरा इशारा किया है। इसके बाद वहां मौजूद लोगों में और सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन स्थित पाकिस्तानी दूतावास में रक्षा अताशे के रूप में काम करने वाले तैमूर राहत धमकी भरा इशारा करते हुए कैमरे में कैद हो गए। पाकिस्तानी राजनयिक का यह व्यवहार तब सामने आया जब पाकिस्तानी दूतावास के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने पहलगाम हिंसा को लेकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और पाकिस्तान से आतंकवाद फैलाने से बाज आने को कहा। कई प्रदर्शनकारी इस दौरान वहां मौजूद थे। इसी बीच पाकिस्तानी डिप्लोमैट्स भी वहां छत पर आ गए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को उकसाना शुरू कर दिया। विंग कमांडर अभिनंदन का पोस्टर लहराया भारतीय प्रदर्शनकारियों को उकसाने के लिए पाकिस्तानी राजनयिकों ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान का एक पोस्टर लहराया, अभिनंदन 2019 में

पाकिस्तानी विमान एफ 16 को गिराने के बाद पाकिस्तान में क्रैश कर गए थे। अभिनंदन का पोस्टर लहराने के साथ ही पाकिस्तानी डिप्लोमैट ने भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ उंगली दिखाते हुए गला रेतने का इशारा किया। डिप्लोमैट के इस इशारे के बाद उसके आसपास मौजूद लोग हंसते हुए नजर आते हैं। पाक राजनयिक की इस हरकत के बाद लोगों का गुस्सा लगातार भड़क रहा है। कई लोगों ने इस हरकत को लेकर कहा कि पाक राजनयिक को वापस पाकिस्तान भेज देना चाहिए। पाकिस्तानी सेना के अधिकारी ने किया गला काटने का इशारा पहलगाम हमले के विरोध में 500 से ज्यादा ब्रिटिश हिंदुओं ने शुक्रवार को लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और प्लेकार्ड पकड़े हुए थे और प्रदर्शनकारी नारेबाजी कर रहे थे और पहलगाम पीड़ितों के लिए न्याय की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाए और पाकिस्तान पर आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया। इस दौरान लंदन में पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात पाकिस्तानी सेना के कर्नल तैमूर राहत ने उच्चायोग की बालकनी से भारतीय प्रदर्शनकारियों को सार्वजनिक तौर पर गला काटने का इशारा किया। कर्नल राहत पाकिस्तानी उच्चायोग में सेना और वायु सलाहकार के रूप में काम कर रहा है। पाकिस्तानी उच्चायोग ने पार की बेशर्मी की हद एक तरफ पहलगाम में मासूम पर्यटकों की निर्मम हत्या से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में गम का माहौल है। वहीं लंदन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने बेशर्मी की हद पार करते हुए भारतीयों के प्रदर्शन के दौरान तेज संगीत बजाया। ऐसा लगा कि पाकिस्तानी उच्चायोग पहलगाम हमले का जश्न मना रहा है। कई प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान की इस हरकत पर नाराजगी भी जताई।

रूसी सेना के जनरल की कार धमाके में मौत: ब्लास्ट के समय कार के पास खड़े थे

मॉस्को, एजेंसी। रूस के शहर बालाशिखा में शुक्रवार को रूसी जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की कार बम धमाके में मौत हो गई। ये हादसा उसी दिन हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। वे रूसी सेना के जनरल स्टाफ के मेन ऑपरेशन्स डायरेक्टोरेट के डिप्टी हेड थे। धमाके में इस्तेमाल की गई कार वोल्क्सवैगन गोल्फ थी। रूसी जांच समिति ने उनकी मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि धमाका एक आईईडी से किया गया था, जिसमें धातु के नुकीले टुकड़े भरे थे। सख्त जनरल कहे जाते थे मोस्कालिक रूस के सैन्य ब्लॉग रायबार ने कहा है कि जब धमाका हुआ तब जनरल मोस्कालिक कार के अंदर नहीं थे, बल्कि पास की एक इमारत से बाहर निकलने के बाद कार के करीब खड़े थे। हालांकि इस जानकारी की अलग से पुष्टि नहीं हो सकी है। मोस्कालिक के बारे में रायबार ब्लॉग में लिखा है कि वे काबिल और सख्त अधिकारी थे और अपने जूनियर्स पर बहुत सख्त रहते थे, इसलिए उन्हें ज्यादा पसंद नहीं किया जाता था। पहले भी रूसी अधिकारियों पर ऐसे हमले हो चुके इस हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी ने नहीं ली है। लेकिन हमला उसी तरह का है जैसा पहले भी रूसी अफसरों को पर किया जा चुका है। पिछले साल दिसंबर में जनरल इगोर किरिलोव की मौत मॉस्को में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटर में लगे बम के फटने से हुई थी। उन पर यूक्रेन युद्ध में केमिकल हथियारों के इस्तेमाल की योजना बनाने का आरोप था। रूस की जांच समिति ने इस विस्फोट की आपराधिक जांच शुरू कर दी है।

सिंधु जल समझौता रोकने पर भारत को बिलावल की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच में संबंध लगातार तनाव में बने हुए हैं। इसी बीच दोनों तरफ से बयानबाजी शुरू हो गई है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल संधि को लेकर भारत को गीदड़ भभकी दी है। भुट्टो का कहना है कि सिंधु नदी पाकिस्तान की है और अगर भारत ने उसका पानी रोकने की कोशिश की तो भारत को इसका अंजाम भुगतना होगा। एक रैली में पाकिस्तान के लोगों को संबोधित करते हुए पीपीपी प्रमुख ने कहा, मैं सिंधु दरिया के पास खड़े होकर यह साफ कर देना चाहता हूं कि सिंधु नदी हमारी थी, हमारी है और हमारी ही रहेगी.. या तो इस नदी का पानी बहेगा या फिर उनका खून, जो हमारी नदी को हमसे छीनना चाहते हैं। बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच में समझौता हुआ था। इस समझौते में भारत कह चुका है कि सिंधु नदी पाकिस्तान की है। आज मोदी कहते हैं कि हम इस समझौते को नहीं मानते हैं। ऐसा नहीं हो सकता। यह बात कोई नहीं मानेगा। पाकिस्तान की जनता नहीं मानेगी और न ही भारत की जनता हमारे ऊपर होता यह अत्याचार नहीं बर्दाश्त करेगी। अपनी कमी हम पर थोप रहा भारत- भुट्टो पाक नेता ने भारत के ऊपर आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर थोपने का आरोप लगाया। भुट्टो ने कहा कि कश्मीर में आतंकी हमला हुआ है। हम सभी ने उसकी निंदा की है। हमने कहा भी कि पाकिस्तान को खुद आतंकवाद से पीड़ित है लेकिन भारत ने हमारे ऊपर ही इसका आरोप लगा दिया। मैं उन्हें बता देना चाहता हूं कि

अगर आपकी जनसंख्या ज्यादा है आप बड़े देश हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप कोई भी फैसला मन मुताबिक ले लेंगे। पाकिस्तान की जनता गैरतमंद है.. बहादुर है वह अपने हकों की रक्षा करना जानती है।

सिंधु घाटी सभ्यता के असली वारिस हम- भुट्टो : बिलावल भुट्टो ने कहा कि पीएम मोदी जहां भी जाते हैं अपने आप को हजारों साल पुरानी सभ्यता का बताते हैं। मैं आपको बता देना चाहता हूं कि आज जहां हम खड़े हैं वही पर सिंधु घाटी सभ्यता का जन्म हुआ था। हम इस सभ्यता के असली वारिस हैं। हम इस दरिया के असली वारिस हैं। पाकिस्तानी पंजाब में शहबाज शरीफ सरकार के साथ मिलकर सरकार चला रहे भुट्टो ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री शरीफ को यह बता देना चाहता हूं कि राज्य के मसलों में शायद हमारी सोच एक जैसी न हो लेकिन पाकिस्तान के हक के लिए हम उनके फैसले के साथ हैं।

पाकिस्तान की जनता बहादुर, जवाब देंगे बिलावल ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि भारत की आबादी ज्यादा है, वो यह नहीं तय कर सकते कि पानी किसका है। पाकिस्तान की अवाम बहादुर लोग हैं, हम डटकर मुकाबला करेंगे। सरहदों पर हमारी फौज हर हमले का जवाब देने को तैयार है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष भुट्टो ने कहा कि भारत ने पहलगाम घटना के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है। अपनी कमजोरियों को छिपाने और अपने लोगों को मूर्ख बनाने के लिए, मोदी ने झूठे आरोप लगाए हैं और सिंधु जल संधि को एकतरफा तरीके से रोक दिया है। भुट्टो ने कहा कि हर पाकिस्तानी सिंधु का पैगाम लेकर दुनिया को बताएगा कि हमारे दरिया पर डाका मंजूर नहीं। दुश्मन की नजरें हमारे पानी पर हैं। बिलावल ने कहा कि वे देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को इस बात का भरोसा दिलाना चाहते हैं कि अलग राजनीतिक दल होने के कारण भले ही उनकी राय अलग हो, लेकिन सिंधु जल संधि के मुद्दे पर वे उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

UP-BIHAR जाने वाले की भीड़ से हालत बे हाल सुविधा के नाम पर शून्य "0"

समस्या होने के बाद भी प्रशासन कोई भी सुविधाएँ उपलब्ध करवाने में असमर्थ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में रोजगार के लिए आए यूपी-बिहार समेत अन्य राज्यों के लोगों को गर्मी की छुट्टियों में अपने वतन लौटने के लिए ट्रेनों की कमी के कारण जानवरों की तरह सफर करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश जाने वाली अंत्योदय ट्रेन की हालत देखकर कोई भी व्यक्ति पसीना-पसीना हो जाएगा। सभी अनारक्षित डिब्बों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। दूसरी तरफ, टिकट लेने के लिए लोग 12-12 घंटे तक लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। जब यात्री डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन पार करके टिकट काउंटर तक पहुंचते हैं, तब उन्हें सुनने को मिलता है कि काउंटर बंद हो गया है।

ट्रेन छूट न जाए इसलिए कुछ यात्री तो सिर पर सामान उठाकर जान जोखिम में डालकर दौड़ते नजर आए।

एक यात्री ने बताया कि यहां कोई भी प्रबंधन नहीं है। पुलिस डंडे मार रही है। टिकट के लिए घंटों से लाइन में खड़े हैं, तो सोचिए ट्रेन के अंदर क्या हालत होगी। बच्चे-बुजुर्ग समेत सभी लोग बेहद परेशान हो रहे हैं।

रेलवे प्रशासन की अव्यवस्था से परेशान राधिकाबेन ने बताया कि मेरी माँ की तबीयत ठीक नहीं है। मुझे गाँव जाना जरूरी है, लेकिन टिकट मिल नहीं रही है। मैं सुबह पाँच बजे से यहाँ आई हूँ, लेकिन टिकट के लिए बहुत लंबी लाइन थी। मैं टिकट काउंटर तक भी पहुँच गई थी, लेकिन वहाँ के लोगों ने कहा कि अभी टिकट नहीं है। मैंने उनसे कहा कि मेरी माँ की तबीयत खराब है, कृपया मुझे टिकट दे दीजिए, फिर भी उन्होंने मुझे टिकट नहीं दी।

एक अन्य यात्री ने बताया कि मुझे यूपी के इलाहाबाद जाना है। घर में शादी का कार्यक्रम है। यहाँ लंबी लाइन लगी हुई है, इस पर कुछ कह भी नहीं सकते। तीन घंटे से लाइन में खड़ा हूँ। यह लाइन सिर्फ टिकट के लिए है। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए भी एक अलग लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। टिकट काउंटर भी बंद कर दिए गए हैं। सरकार को यहाँ सुविधाएं बढ़ानी चाहिए। टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग हो रही है, जिस वजह से हमें टिकट नहीं मिल पा रही है।

एक अन्य यात्री ने बताया कि टिकट नहीं मिल रही है। मैं सुबह तीन बजे से टिकट की लाइन में खड़ा हूँ। अब कहा जा रहा है कि ट्रेन फुल हो गई है। मैं अपने परिवार के साथ टिकट लेने आया था। हर साल यही समस्या होती है। दो दिन पहले भी मैं इसी तरह टिकट के लिए लाइन में खड़ा था, लेकिन टिकट नहीं मिली थी। आज भी टिकट नहीं मिल पाई है।

प्रशासन के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए सुधीरभाई ने बताया कि पिछले चार घंटे से यह लाइन केवल टिकट के लिए लगी हुई है। कोई प्रबंधन नहीं है, कोई सुविधा नहीं है। प्रशासन कुछ भी नहीं कर रहा। अभी तो यह सिर्फ टिकट की लाइन है, ट्रेन के लिए कितनी लाइन होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। न कोई स्टेशन मास्टर है, न कोई अन्य जिम्मेदार व्यक्ति। पुलिस डंडे मार रही है। यह लाइन लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी होगी। अगर टिकट मिल भी गई, तो प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए अलग से लाइन लगानी पड़ेगी और फिर ट्रेन में चढ़ने के लिए भी दूसरी लाइन होगी। मैं खुद दो घंटे से खड़ा हूँ।

इस मामले में पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल वहाँ भीड़ प्रबंधन किया जा रहा है, ताकि प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ के कारण लोगों को कोई परेशानी न हो। अतिरिक्त ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं और यात्रियों को इसकी जानकारी देने के लिए घोषणाएं भी की जा रही हैं। भीड़ प्रबंधन के कारण लोगों को ऐसा लगता है कि बहुत लंबी लाइन है, लेकिन एक साथ अधिक भीड़ इकट्ठी न हो, इसलिए लोगों को लाइन में खड़ा रखा जा रहा है।

स्कूलों में 15 अप्रैल से छुट्टियाँ शुरू होते ही अब यूपी-बिहार समेत अन्य राज्यों से सूरत आए लोग अपने वतन लौट रहे हैं। सूरत के उद्योगों में लाखों की संख्या में यूपी-बिहार के मजदूर रोजगार के लिए आते हैं। त्योहारों के समय और जब भी स्कूलों में छुट्टियाँ होती हैं, वे अपने वतन जाते हैं। लेकिन ट्रेनों की कमी के कारण हर साल उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। 27 अप्रैल, रविवार अनारक्षित अंत्योदय ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित है, जिसमें यात्रियों को सामान्य टिकट लेकर यात्रा करनी होती है। इसमें कुल 18 कोच जोड़े गए हैं। सुरक्षाकर्मियों द्वारा यात्रियों को ट्रेन में चढ़ाया जा रहा था, लेकिन कोच के अंदर यात्रियों के लिए पैर रखने की भी जगह नहीं थी।

सूरत रेलवे स्टेशन पर यूपी-बिहार के यात्रियों की भारी भीड़ टिकट लेने के लिए 12 घंटे से लोग लाइन में, बच्चे और बुजुर्ग भी परेशान यात्री बोले- कोई प्रबंधन नहीं है, पुलिस डंडे मार रही है।

अंत्योदय ट्रेन में कुल 18 अनारक्षित कोच होते हैं। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश जाने के लिए उधना रेलवे स्टेशन से हफ्ते में एक बार, यानी रविवार को, चलती है। यह ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर आती है। सीट पाने के लिए लोग घंटों तक प्लेटफॉर्म पर बैठे रहते हैं और जैसे ही ट्रेन आती है, एक पल में यह ट्रेन यात्रियों से भर जाती है। ट्रेन में सीटों से पाँच गुना ज्यादा यात्री होते हैं। कोच के दरवाजों पर भी लोग अपने बच्चों के साथ खड़े होते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, इस ट्रेन से यात्रा करने के लिए लगभग 12 घंटे पहले से ही यात्री टिकट लेने के लिए लाइन में खड़े हो जाते हैं। यह लाइन डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी होती है। हजारों यात्रियों के साथ ऐसी घटनाएँ भी सामने आई हैं, जहाँ वे घंटों तक डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन टिकट न मिलने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ता है।

ट्रेन की तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि, ट्रेन के दरवाजे पर खड़े यात्रियों के लिए यह यात्रा कितनी खतरनाक हो सकती है। यात्रियों से भरी ट्रेन में दरवाजों तक यात्रियों से भरी हुई दिखाई देती है। एक ओर जहां भयंकर गर्मी में यह भरपूर ट्रेन यात्रियों के जीवन के लिए खतरा बन सकती है। जिस ट्रेन में इतने सारे यात्री होते हैं कि कदम रखने की भी जगह नहीं होती, ऐसे में लगभग 24 घंटे की यात्रा यात्रियों के लिए कैसे संभव होगी,

यह सबसे बड़ी समस्या है। अन्य ट्रेनों में उन्हें आरक्षित टिकट नहीं मिल पाते। दूसरी ओर, इस ट्रेन के लिए प्लेटफॉर्म से टिकट प्राप्त करने में भी उन्हें भारी संघर्ष करना पड़ता है।

लखनऊ में 1090 चौराहे के पास मां-बेटी से छेड़छाड़

कार ओवरटेक कर महिला के देवर को पीटा, वकील समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लखनऊ में 1090 चौराहे के पास शुक्रवार रात देवर के साथ घूमने निकली महिला और उसकी बेटी के साथ कार सवार युवकों ने छेड़छाड़ की। बीच-बचाव में महिला के कपड़े फट गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने कार ओवरटेक कर घटना को अंजाम दिया।

लोगों के एकत्र होने पर कार चढ़ाने की कोशिश की। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी दोनों युवकों को गिरफ्तार कर कर लिया। बताया जा रहा है मारपीट दोनों पक्षों में कार टकराने को लेकर हुई थी। कार को ओव टेक करके रोका, विरोध पर पीटा मुलायमनगर निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात पॉलिटेक्निक होते हुए बेटी और देवर के साथ 1090 चौराहे की तरफ घूमने निकली थीं। रास्ते में तकरोही निवासी अधिवक्ता अभिषेक और उसके दोस्त अश्वनी ने उनकी कार ओवरटेक कर रोक ली।

कुछ समझ पाती कि उससे पहले ही वह लोग देवर को पकड़ कर पीटने लगे। वह करीब 10 लोग थे। उन्होंने बेटी के साथ कार से उतरकर इसका विरोध किया। इस पर उन दोनों से अश्लीलता करते हुए कपड़े फाड़ दिए। आसपास के लोगों के जुटने पर कार चढ़ाने की कोशिश की।

इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि विवाद की सूचना पर पुलिस पहुंची। अभिषेक और अश्वनी को हिरासत में लेकर थाने लाई। वहां भी आरोपी उग्र हो गए। जांच में गाड़ी टकराने को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है। जिसके चलते मारपीट हुई। महिला की तहरीर पर छेड़छाड़ और मारपीट की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- कोर्ट खेल का मैदान

किसी को परेशान करने के लिए कोर्ट का इस्तेमाल ठीक नहीं DM बुलंदशहर 50 हजार हर्जाना वसूलेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि किसी को परेशान करने के लिए सेवा मामले में बाहरी व्यक्ति को जो पीड़ित पक्ष नहीं है, दुर्भाग्यवश याचिका करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने इसी के साथ 50 हजार रुपए जुर्माना लगाते हुए याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा कि न्यायालय खेल का कोई मैदान नहीं है, इसका इस्तेमाल किसी को परेशान करने के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने 50 हजार रुपए जुर्माना के साथ याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने जिलाधिकारी बुलंदशहर को याची से 50 हजार हर्जाना राशि दो माह में वसूल कर सीजेएम को रिपोर्ट करने और सीजेएम को हाईकोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने मदनलाल शर्मा की याचिका पर दिया है। विपक्षी कृष्ण कुमार गर्ग नगर पालिका परिषद गुलौटी का दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी और याची सामाजिक कार्यकर्ता है। परिषद के अधिवक्ता का कहना था कि नियुक्ति नियमानुसार की गई है।याची पीड़ित पक्ष नहीं है और न ही नियुक्ति प्राधिकारी। विपक्षी की नियुक्ति को चुनौती दी है, जिसका उसे विधिक अधिकार नहीं है।

याचिका ब्लैकमेल करने का माध्यम नहीं बन सकती।

कोर्ट सेवा मामले में प्रतिकूल याचिका करने की अनुमति नहीं देती। याची बाहरी व्यक्ति को नियुक्ति को चुनौती देने का विधिक अधिकार नहीं है। यह न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।केवल परेशान करने के लिए दुर्भाग्यपूर्ण याचिका की गई है।

याचिका दाखिल कर नए कानूनों को रद्द करने की मांग

हाईकोर्ट में भारतीय न्याय संहिता, नागरिक सुरक्षा संहिता की वैधता पर उठाया सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता और नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इसे लेकर दाखिल जनहित याचिका में भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाए गए हैं।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता सूरज पाल सिंह ने इस याचिका के माध्यम से दावा किया है कि भारतीय दंड व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमामय जीवन जीने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है।

याचिका में कहा गया है कि वर्तमान दंड संहिता कार्य-कारण के प्राकृतिक नियमों की अवहेलना करती है और इसे असंवैधानिक घोषित किया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता का तर्क है कि 'दंड' स्वयं एक अन्यायपूर्ण प्रक्रिया है, जो अपराधियों को सुधारने के बजाय उन्हें और अधिक प्रताड़ित करती है। उनका दावा है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत सभी व्यक्तियों के जीवन की सुरक्षा आवश्यक है, और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए दंड प्रक्रिया को एक सुधारात्मक व्यवस्था में बदलना चाहिए।

इस याचिका में यह भी मांग की गई है कि भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता को असंवैधानिक घोषित किया जाए। इसके अतिरिक्त, अपराधियों के लिए जेल की बजाय सुधारगृह की व्यवस्था लागू करने और समाज में वास्तविक न्याय प्रणाली को स्थापित करने की अपील की गई है।

हाईकोर्ट ने डीएम से पूछा-मरे लोगों की गवाही कैसे हुई लेखपाल ने मरे लोगों की मौजूदगी में तैयार की तालाब भूमि पर अतिक्रमण की रिपोर्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक अजीबो-गरीब मामला आया, जिसमें लेखपाल ने मृतकों की गवाही में अपनी मौके की निरीक्षण रिपोर्ट पेश की है। मरे हुए लोगों की गवाही में तैयार रिपोर्ट की जानकारी इलाहाबाद हाईकोर्ट को मिली तो जिलाधिकारी फतेहपुर को लेखपाल से जानकारी लेकर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देना पड़ा।

कोर्ट ने कहा कि आखिर लेखपाल ने बहुत पहले मरे लोगों की गवाही में रिपोर्ट कैसे तैयार की। इससे पहले जिलाधिकारी ने हलफनामा दाखिल कर याची पर ही तालाब का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया था। जिसे याची अधिवक्ता ने सिरे से खारिज कर दिया और बताया कि लेखपाल की 26 अक्टूबर 24 की रिपोर्ट में जिन दो गवाहों का जिक्र किया गया है उनमें से एक मिथुन सिंह उस गांव का है ही नहीं। दूसरे छेदीलाल की मौत 20 अप्रैल 2011को हो चुकी है। जो है ही नहीं या बहुत पहले ही मर चुका है,उनकी गवाही के साथ रिपोर्ट तैयार कर याची को ही कटघरे में खड़ा कर दिया गया। जगदीश शरण सिंह की याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति जे जे मुनीर की एकलपीठ ने की।

जिला फतेहपुर की खागा तहसील के लेखपाल तालाब भूमि के अतिक्रमण की मौके की रिपोर्ट भेजने के लिए 26 अप्रैल 24 को मंझनपुर गांव गये थे। कहा गया कि याची ने ही अतिक्रमण किया है।भरोसा कर जिलाधिकारी ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिया। जिसे याची ने सिरे से खारिज कर दिया और लेखपाल की करतूत का खुलासा किया।

कोर्ट ने जिलाधिकारी से 7 मई को निरीक्षण करने वाले लेखपाल से जानकारी लेकर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कोर्ट ने आदेश की प्रति सी जे एम के मार्फत जिलाधिकारी फतेहपुर को अनुपालन हेतु भेजने का निर्देश दिया है।